

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



सेवा संकल्प अभियानः 103 डिजिटल लाइब्रेरी के साथ सभी ग्राम पेज: 3

क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह? पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 170 | गुरुवार 24 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली में जुटे देशभर के उलेमा, मस्जिद गिराने और धार्मिक आजादी के मुद्दे पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की मौजूदा स्थिति, मस्जिद गिराने, संविधान के उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता पर मंडराते खतरों को देखते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक आपात बैठक बुलाई है। बुधवार को दिल्ली में जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में बैठक हो रही है, देश के तमाम मौलाना और जमीयत से जुड़े हुए लोग शिरकत कर रहे हैं। बैठक के मुख्य एजेंडे में प्रशासन और न्यायपालिका के कुछ हालिया फैसलों और कदमों के संदर्भ में शरीयत के मामलों में बढ़ते हस्तक्षेप का मुद्दा प्रमुखता से शामिल है। इसके साथ ही देश में धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण, मस्जिदों के विध्वंस और इस्लामी मदरसों के सामने उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा की जाएगी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने साफ किया है कि संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, धार्मिक स्वतंत्रता और सभी नागरिकों के समान अधिकारों का संरक्षण ही देश की एकता और अखंडता की मूल बुनियाद है। संगठन के मुताबिक वर्तमान परिस्थितियां बहुत ही चिंताजनक हैं और इन पर गंभीर मंथन करना जरुरी है। कार्यकारिणी की इस बैठक में इन तमाम मुद्दों पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श के बाद आगे की रणनीति और ठोस कार्ययोजना के संबंध में बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मणिपुर में 2.1 किलोग्राम 'याबा' टैबलेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले से 2.1 किलोग्राम कृत्रिम मादक पदार्थ 'याबा' जब्त करने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने मंगलवार को मंत्रीपुखरी में बस के एक यात्री को रोका और 20,000 'याबा' गोलियां जब्त कीं जिनका कुल वजन करीब 2.1 किलोग्राम है। अधिकारी ने बताया कि थाई में 'याबा' का अर्थ 'उन्मादी प्रदान करने वाली दवा है। इसमें कैफीन और मेथामफेटामीन होता है, जो 'नियंत्रित पदार्थ अधिनियम' के तहत 'अनुसूची दो' का पदार्थ है। एक अन्य अभियान में राज्य पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के अंतर्गत लमजाओ मयाई लीकाई इलाके से प्रतिबंधित 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा है। अधिकारी ने बताया कि उसकी पहचान मैबम गुनामणि के तौर पर हुई है।

17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज सहमा

-कॉलेज की प्रिंसिपल ने आनलाइन क्लासेस कीं शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की खौफनाक घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध किया है। इस दरिंदगी ने फिर महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। दिल दहला देने वाली घटना के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) ने अपनी नियमित कक्षाएं रद्द की और बुधवार की सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया। उल्लेखनीय है कि लेडी श्रीराम कॉलेज घटना स्थल से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के. आहूजा ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने कक्षाएं रद्द करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके छात्रों की सुरक्षा और भलाई उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रिंसिपल ने अपने फैकल्टी मेंटर्स और कॉलेज काउंसलर को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह की जरूरत पड़ने पर छात्रों की मदद के लिए उपलब्ध रहें।

चक्रवात अर्नब का पूर्वी तट पर भीषण खतरा : आंध्र, ओडिशा में हाई अलर्ट, स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब शक्तिशाली चक्रवाती तूफान अर्नब में बदल गया है, जो भारत के पूर्वी तटीय इलाकों की ओर तेजी से आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात अर्नब के 23 सितंबर की शाम 5 बजे से 24 सितंबर की सुबह 5 बजे के बीच तट से टकराने की प्रबल आशंका है। संभावना है कि यह 23 सितंबर की आधी रात से पहले विशाखापत्तनम और गोपालपुर के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट को पार करेगा। इस भीषण खतरे को देखकर ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और राष्ट्रीय व राज्य आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ/एसडीआरएफ) की टीमें तटीय क्षेत्रों में तैनात कर दी गई हैं। चक्रवात का असर केवल ओडिशा-आंध्र तट तक सीमित नहीं रहेगा। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के तटीय ज़िलों में भी भारी बारिश और तेज़ हवाओं का अलर्ट जारी किया है, जहां 25 सितंबर तक खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। बिहार में भी 23 से 28 सितंबर के बीच मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कई इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलेंगी।

एआई समाधान दे सकता है, लेकिन सही सवाल पूछना आपकी जिम्मेदारी होनी चाहिए: राष्ट्रपति मुर्मु



नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्च शिक्षा में मल्टी-डिसिप्लिनरी (कई विषयों को मिलाकर) अप्रोच अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), गरीबी उन्मूलन और लोकतंत्र जैसी जटिल समकालीन चुनौतियों का समाधान केवल अध्ययन के एक क्षेत्र से नहीं किया जा सकता। गुजरात में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के 75वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए आज बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के कई विषय हैं, जो इसे ज्ञान की अलग-अलग धाराओं को एक साथ लाने की स्थिति में लाते हैं। उन्होंने कहा, ह्यआर्ट्स से लेकर साइंस, टेक्नोलॉजी से लेकर मेडिसिन, लॉ से लेकर सोशल वर्क, फाइन आर्ट्स से लेकर परफॉर्मिंग आर्ट्स, मैनेजमेंट से लेकर जर्नलिज्म तक, यह यूनिवर्सिटी ज्ञान के कई क्षेत्रों में शिक्षा दे रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के सामने आने वाली समस्याएं अब आपस में अधिक जुड़ी हुई हैं और उनके समाधान के लिए कई विषयों के ज्ञान की जरूरत है। उन्होंने कहा, ह्यक्लाइमेट चेंज सिर्फ एनवायरनमेंटल स्टडीज का विषय नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिर्फ कंप्यूटर साइंस का विषय नहीं है। हेल्थ सिर्फ मेडिसिन या मेडिकल साइंस का विषय नहीं है। गरीबी दूर करना सिर्फ अर्थशास्त्री का विषय नहीं है। लोकतंत्र सिर्फ पॉलिटिकल साइंस का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, आज, सभी जरूरी समस्याओं को हल करने के लिए कई विषयों को मिलाकर काम करने (मल्टीडिसिप्लिनरी) के नजरिए की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि छात्रों को सिर्फ अपनी पढ़ाई के खास विषयों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अलग-अलग तरह की समझ और नजरिया विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें एक वैज्ञानिक जैसी जिज्ञासा, एक कलाकार जैसी संवेदनशीलता, एक इतिहासकार जैसा नजरिया, अर्थशास्त्र की समझ और समाजशास्त्र की चेतना की जरूरत है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों से उम्मीद की जाती है कि वे

राष्ट्रपति मुर्मु ने तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी को अपनाते समय छात्रों द्वारा सही समझ और विवेक का इस्तेमाल करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस.....

इसी दिशा में आगे बढ़ें और छात्रों को अलग-अलग विषयों में ज्ञान का इस्तेमाल करने में मदद करें। राष्ट्रपति मुर्मु ने तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी को अपनाते समय छात्रों द्वारा सही समझ और विवेक का इस्तेमाल करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, ह्यआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समाधान दे सकती है, लेकिन सही सवाल पूछना आपकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। टेक्नोलॉजी रफ्तार तो दे सकती है, लेकिन इसका इस्तेमाल किस दिशा में किया जाए, यह तय करना छात्रों का काम है। राष्ट्रपति ने छात्रों से टेक्नोलॉजी की क्षमताओं को मानवीय मूल्यों और संवैधानिक सिद्धांतों के साथ जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे नागरिकों से यह उम्मीद की जाती है कि वे संविधान में बताए गए ह्यन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वह्व के आदर्शों को अपने जीवन और कार्यस्थलों में अपनाएं। यूनिवर्सिटी के विभागों में आर्ट्स, साइंस, एजुकेशन और साइकोलॉजी, कॉमर्स, टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग, मेडिसिन, लॉ, फाइन आर्ट्स, फैमिली और कम्युनिटी साइंसेज, सोशल वर्क, परफॉर्मिंग आर्ट्स, मैनेजमेंट स्टडीज, जर्नलिज्म और कम्युनिकेशन और फार्मेसी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह की घोषणा के अनुसार, 229 उम्मीदवार डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी डिग्री, 2,857 उम्मीदवार मास्टर डिग्री, 8,863 उम्मीदवार बैचलर डिग्री और 657 उम्मीदवार पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए योग्य पाए गए।

दिल्ली में धार्मिक टिप्पणी विवाद: अदालत ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली की एक अदालत ने हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े एक गंभीर विवाद में दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यह मामला एक छात्र-कार्यकर्ता और उनके पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग से जुड़ा है। भाजपा से जुड़ी अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने सोशल मीडिया पर जानबूझकर ऐसा कंटेंट पोस्ट किया है, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक और आपत्तिजनक बातें कही गई हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

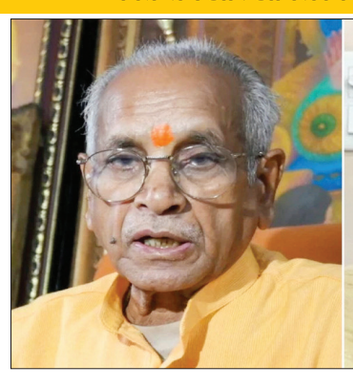
दिल्ली की अदालत ने दिल्ली पुलिस को संवेदनशील मामले में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा, यानी कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पेश करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता सचदेवा ने पहले दिल्ली पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उनका कहना था कि पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसकारण उन्होंने न्याय के लिए अदालत का रुख किया और एफआईआर दर्ज करने की याचिका दाखिल की। मुख्य महानगर दंडाधिकारी (सीजेएम) मृदुल गुप्ता की अदालत में याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखक दिल्ली पुलिस को न केवल अपना जवाब दाखिल करने को कहा, बल्कि यह भी निर्देश दिया कि वह अपनी कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस की रिपोर्ट का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद ही यह अंतिम फैसला लिया जाएगा कि एफआईआर दर्ज की जाए या नहीं।

राम मंदिर दान चोरी केस में 7000 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम शामिल नहीं

अयोध्या, एजेंसी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर आठों आरोपियों के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट में 7 हजार पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचक बुधवार सुबह बड़े-बड़े बक्सों में चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंचे, जिसमें आरोप पत्र के साथ-साथ बैंक स्टेटमेंट और बैंक की जमा पर्चियां भी मौजूद थीं। इस चार्जशीट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा का नाम न होने पर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने गहरी नाराजगी और असंतोष जताया है।





दाखिल की गई इस चार्जशीट में कुल 173 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और इसमें 105 बार चोरी होने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की गई जांच में 803 चीजों का रिकॉर्ड पूरी तरह सही पाया गया है, जबकि 86 कीमती चीजों की रसीद नहीं मिल सकी है। पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से कार, गहने और 79.85 लाख रुपये नकद बरामदगी का भी चार्जशीट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को जानकारी दी थी कि एसआईटी इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर मूल्यवान चढ़ावे से संबंधित लगाए गए सभी आरोपों का गहन सत्यापन किया था। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के गिनती कक्ष के सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल आंकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि गिनती प्रक्रिया में शामिल कुछ लोगों की मिलीभगत से कक्ष से नकदी को अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने के 105 मामले सामने आए थे।

चार्जशीट और एसआईटी की रिपोर्ट में कुल आठ आरोपियों की पहचान की गई है, तथा उनके बैंक खातों में जमा उस रकम का पूरा ब्यौरा दिया गया है जिसका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं मिल सका है। इसके साथ ही, उन सभी चल और अचल संपत्तियों की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है जिनमें चोरी का अवैध पैसा लगाया गया था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और अधिवक्ताओं द्वारा नाम शामिल न किए जाने पर लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जिसकी विरोधी रहीं सायोनी अब उसी भाजपा के लिए मांगेंगी वोट

बंगाल उपचुनावों में नए समीकरण बनते दिख रहे

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है, जहां अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखर आलोचक सायोनी घोष अब भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करती दिख सकती हैं। नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अरूप रॉय की डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने भी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय हो गया है। फिलहाल, एनसीपीआई ने अपने नेताओं के नामों का ऐलान नहीं किया है, जो भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

एनसीपीआई, जिसमें ममता बनर्जी से अलग हुए 20 बागी सांसद शामिल हैं, ने खुद को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बताया है। पार्टी ने कहा है कि चूंकि उनके पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए उन्होंने भाजपा के समर्थन में प्रचार करने का फैसला किया है। एनसीपीआई का दावा है



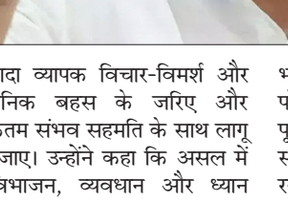
कि एनडीए में वे भाजपा के बाद सबसे बड़े दल हैं। पार्टी अध्यक्ष ज्योति प्रकाश चटर्जी ने इस फैसले को राज्य के भविष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, एनसीपीआई एनडीए में भाजपा के बाद सबसे बड़ा साझेदार है। जिस तरह से हमारे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राज्य के लिए काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लंबे समय से चली आ रही टकराव की स्थिति से अब राज्य के लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए। अब टकराव का समय नहीं है, बल्कि साथ मिलकर काम करने का समय है। उन्होंने आने वाले समय में एक बड़ी बैठक की भी घोषणा की, जिसमें केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समर्थन का मतलब किसी चुनावी गठबंधन से नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता सायंतन बसु ने कहा, यह अच्छी बात है कि एनसीपीआई ने भाजपा के लिए प्रचार करने का फैसला किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल में भाजपा और एनसीपीआई का कोई चुनावी गठबंधन हो सकता है या भविष्य में किसी भी तरह से सीटों का बंटवारा हो सकता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने इन उपचुनावों को ममता बनर्जी के खिलाफ सीधी लड़ाई माना है। पार्टी नेता संदीपन साहा ने कहा कि यह चुनाव साबित कर देगा कि असली तृणमूल वे ही हैं, क्योंकि ममता गुट की उम्मीदवार मुकाबले से पीछे हट गई हैं। इस बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस भी राज्य में तृणमूल कांग्रेस में टूट का फायदा उठाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी को अब तृणमूल की जगह लेनी चाहिए और भाजपा विरोधी सभी मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यक मतदाताओं की स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरना चाहिए।

लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने वांगचुक की पदयात्रा

कहा-हमने जब भी हक, संस्कृति संरक्षण की मांग की तो अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं

नई दिल्ली, एजेंसी।

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक बुधवार को लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को दोहराने के लिए 20 किमी की पदयात्रा करने वाले हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी थी। ये पदयात्रा लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने की मांग में की जा रही है। वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कहते हैं इस महीने को शहीदों के महीने के रूप में मना रहे हैं। इसके लिए वह श्यामवैली में इकट्ठे हुए हैं। ये वही वैली है जो बटालिक के पास है, जिसमें कारगिल युद्ध में बहुत से जवानों ने जानें दी और लोगों ने बिना वर्दी के भारत की रक्षा की। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जब भी लोकतंत्र की मांग की पर्यावरण, हक और संस्कृति के संरक्षण की



मांग की तो हम पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं! पिछले साल 24 सितंबर को गोलियां चलाई गईं जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी उन शहीदों को याद करते हुए हम एपेक्स बॉडी में हम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। सरकार ने जो ज्यूडिशियल इंक्वायरी बैठाई है उसका जल्द से जल्द नतीजा आना चाहिए, साथ ही जो शहीद हुए हैं उन लोगों को सिर्फ 15-15 लाख के मुआवजे की बात कही गई है जो बहुत ही कम है और एक तरह का अपमान है। हम सभी लोगों की सरकार से अपील है कि जैसे देश के सभी हिस्सों में हो रहा है वैसा ही हमारे लद्दाख के शहीदों को भी एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। वांगचुक ने ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- लद्दाख देश को बुला रहा है। लद्दाख के लोग हमेशा देश के साथ खड़े रहे हैं और अब समय आ गया है कि देश लद्दाख के साथ खड़ा हो। 23 सितंबर को लेह की ओर एक ऐतिहासिक और शांतिपूर्ण पदयात्रा होगी। 24 सितंबर को एलबीए की ओर से उन 5 लोगों की याद में सर्व-धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी, जिनकी पिछले साल अंधाधुंध गोलीबारी में मौत हो गई थी। हम आपके साथ और कई पत्रकारों व यूट्यूब के साथ पदयात्रा करने के लिए उत्सुक हैं। हमें उम्मीद है कि वे हमारा संदेश देश तक पहुंचाएंगे।

यूसीसी कोई कानूनी सुधार नहीं, विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का हथियार

-कांग्रेस का आरोप- केंद्र सरकार ने विधि आयोग के निष्कर्षों को कर दिया नजरअंदाज

नई दिल्ली,, एजेंसी।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार और बीजेपी के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कोई कानूनी सुधार नहीं है, बल्कि ''विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार'' और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए गठित राज्य सरकार की समिति से बंबई हाईकोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश के इस्तीफे और समिति के कामकाज को लेकर उठाए गए सवालों का हवाला देते हुए कहा कि इससे कई ''बड़े सवाल'' खड़े होते हैं। उन्होंने एक बयान में सवाल किया कि क्या संविधान सभा ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना की थी, जिसमें हर राज्य अपनी अलग समान नागरिक संहिता बनाए? रमेश ने कहा कि इसका जवाब है बिल्कुल नहीं।''

रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि 17 जून 2016 को मोदी सरकार ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे को विस्तृत अध्ययन के लिए भारत के 21वें विधि आयोग के पास भेजा था। उन्होंने कहा कि व्यापक अध्ययन के बाद आयोग ने 31 अगस्त 2018 को 'पारिवारिक कानून में सुधार' पर अपना परामर्श पत्र जारी किया था। उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र के पृष्ठ सात के अनुच्छेद 1.15 में आयोग का निष्कर्ष स्पष्ट था कि ''इस स्तर पर समान नागरिक संहिता बनाना न तो जरुरी है और न ही वांछनीय। रमेश ने कहा कि इसके बजाय विधि आयोग ने भारत की कानूनी और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए अलग-अलग पारिवारिक कानूनों में मौजूद भेदभाव को दूर करने की सिफारिश की थी।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसी विधि आयोग के निष्कर्षों को नजरअंदाज कर दिया, जिसे उसने इस मुद्दे की जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में बीजेपी शासित कई राज्यों ने अपनी-अपनी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। रमेश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के बाकी दलों की आवाज दबा दी गई है और बीजेपी उन्हें ''चुप करा रही है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के लिए समान नागरिक संहिता ''कोई ऐसा कानूनी सुधार नहीं है, जिसे पूरी तरह सोच-विचार के बाद, ज्यादा



से ज्यादा व्यापक विचार-विमर्श और सार्वजनिक बहस के जरिए और अधिकतम संभव सहमति के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि असल में यह विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार है, लोगों को परेशान करने और डराने का जरिया है, पूर्वाग्रहों को भड़काने और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है।

संपादकीय

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे-कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निदेशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निदेशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है।

निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी-अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य-अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततः इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच-पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर-तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

सूक्ति

ईश्वर ने हमारे मष्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और छमता दी हैं। - अज्ञात

बिना उत्साह के कभी किसी उच्च लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती -एमर्सन

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मतदाता सूची का पुनरीक्षण: सुधार जरूरी, लेकिन पारदर्शिता उससे भी जरूरी



कांतिलाल मांडोत

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर ने एक बार फिर देश के चुनावी तंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई वरिष्ठ अधिकारियों समेत अनेक चर्चित लोगों को नोटिस दिए जाने की खबर सामने आई है। पहली नजर में यह खबर इसलिए चौंकाती है क्योंकि जब सार्वजनिक जीवन से जुड़े इतने प्रतिष्ठित लोगों के रिकॉर्ड में विसंगतियां मिल रही हैं, तो सामान्य नागरिकों के पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड की स्थिति को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि एसआईआर नोटिस मिलना मतदाता सूची से नाम हट जाने के बराबर नहीं है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार नोटिस उन मामलों में दिए जा रहे हैं जहां वर्तमान मतदाता विवरण को 2002 की पिछली मतदाता सूची से जोड़ा नहीं जा सका या इनुर्मेशन फार्म में कुछ विसंगतियां पाई गईं। इसके बाद संबंधित मतदाता को दस्तावेजों के माध्यम से अपनी पात्रता और विवरण की पुष्टि करने का अवसर दिया जा रहा है।

यही अंतर इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। मतदाता सूची को साफ सुथरा, अद्यतन और त्रुटिरहित रखना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। मृत व्यक्तियों, स्थान बदल चुके मतदाताओं, दोहरे नामों या गलत प्रविष्टियों को हटाना और पात्र नागरिकों के नाम सुनिश्चित करना चुनाव की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार स्क्रूक्र का उद्देश्य ही मतदाता सूची की शुद्धता और अखंडता बनाए रखना है। दिल्ली के मामले में 2002 की मतदाता सूची को एक महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। चुनाव आयोग ने नागरिकों से पुरानी सूची में अपना या अपने माता-पिता का नाम और संबंधित विवरण देखने को कहा था। जिन लोगों का नाम 2002 की दिल्ली सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता का नाम है, उनके लिए भी अलग प्रक्रिया निर्धारित की गई है। दूसरे राज्यों से बाद में दिल्ली आकर बसे लोगों के लिए संबंधित राज्य की पिछली एसआईआर सूची के विवरण का प्रावधान रखा गया है। समस्या यहां से शुरू होती है कि दो दशक से भी अधिक पुराने रिकॉर्ड को वर्तमान नागरिक की पहचान और पात्रता से जोडा अपने आप में आसान काम नहीं है। वर्ष 2002 से अब तक लाखों लोगों के पते बदले हैं, परिवारों की संरचना बदली है, नामों की वर्तनी बदली है और अनेक परिवार एक शहर से दूसरे शहर चले गए हैं। पुराने रिकॉर्ड में नाम की छोटी सी वर्तनी भिन्नता भी आज की डिजिटल मिलान प्रक्रिया में मिसमैच बन सकती है।

इसीलिए 33.13 लाख लोगों का आंकड़ा अपने आप में न तो यह सिद्ध करता है कि इतने लोग अपात्र हैं और न ही यह कि इतने लोगों के रिकॉर्ड गलत हैं। यह संख्या मुख्यतः उन लोगों की है जिनके मामलों में आगे सत्यापन की जरूरत महसूस की गई है। रिपोर्टों के अनुसार लगभग 97 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची में हैं और 33.13 लाख मतदाताओं को विसंगतियों के आधार पर नोटिस के लिए चिन्हित किया गया है।

यहां चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी पारदर्शिता की है। किसी नागरिक को नोटिस दिया जाता है तो उसे यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि समस्या क्या है ? नाम का अंतर है, उम्र संबंधी विसंगति है, पते का सवाल है, पुराने रिकॉर्ड से मैपिंग नहीं हुई है या किसी अन्य कारण से सत्यापन आवश्यक है। हाल में इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका पहुंची है, जिसमें नोटिस पाने वाले मतदाताओं के नाम और नोटिस के कारणों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है। यह मांग बताती है कि इतने बड़े पैमाने की चुनावी प्रक्रिया में केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है; नागरिकों को यह भी पता होना चाहिए कि उनके रिकॉर्ड पर सवाल क्यों उठा है। चुनाव प्रक्रिया में नोटिस देना जांच का साधन होना चाहिए, सजा का नहीं। किसी व्यक्ति के रिकॉर्ड में गलती मिलना और उसके मतदान के अधिकार पर अंतिम निर्णय लेना दो अलग-अलग चरण हैं। इसलिए प्रत्येक मतदाता को पर्याप्त समय, स्पष्ट सूचना, सुनवाई का अवसर और दस्तावेज प्रस्तुत करने की सरल व्यवस्था मिलनी चाहिए। इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जब प्रतिष्ठित और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के रिकॉर्ड भी सत्यापन के दायरे में आ रहे हैं, तो इससे एक सकारात्मक संदेश भी निकलता है कम से कम प्रक्रिया कागज पर किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन यही बात आम नागरिक के लिए भी समान रूप से लागू होनी चाहिए। किसी मंत्री, पूर्व उपराष्ट्रपति, अधिकारी या आम मतदाता सभी के मामले में नियम एक जैसे होने चाहिए। चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता इसी समानता पर टिकी है।

बेटियों की उड़ान ने बदली सफलता की परिभाषा

- खेल के मैदान से नेतृत्व की कुर्सी तक महिलाओं का बढ़ता प्रभाव
- आत्मविश्वास और संघर्ष से महिलाएं लिख रही हैं नई कामयाबी की कहानी



कांतिलाल मांडोत

नागोया में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 48 और ऋचा घोष ने 49 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 69 रन पर सिमट गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह जीत केवल एक क्रिकेट मुकाबले की सफलता नहीं है, बल्कि उन बेटियों की मेहनत और क्षमता का प्रमाण है, जिन्होंने खेल के मैदान में अपनी पहचान मजबूत की है।

भारतीय महिला टीम की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बेटियों के प्रति समाज की सोच में आए बदलाव को समझा जा सकता है। कभी महिलाओं को कमजोर समझकर उनके अवसर सीमित कर दिए जाते थे, लेकिन आज वही महिलाएं देश के लिए पदक जीत रही हैं, रिकॉर्ड बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं। क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खिलाड़ी यह साबित कर रही हैं कि नेतृत्व किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। अनुशासन, प्रतिभा, मेहनत और जिम्मेदारी के आधार पर महिलाएं हर चुनौती का सामना कर सकती हैं।

महिलाओं की प्रगति केवल खेल तक सीमित नहीं है। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना, न्यायपालिका, उद्योग, राजनीति, कला, तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। देश की अनेक महिलाएं बड़ी कंपनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचकर संस्थानों का नेतृत्व कर रही हैं। वे हजारों कर्मचारियों के कामकाज, करोड़ों रुपये के कारोबार और बड़े निर्णयों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह बदलाव बताता है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके साथ जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई देता है। परिवार संभालने से लेकर पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने तक महिलाएं अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। यही अनुभव उन्हें परिस्थितियों को समझने, धैर्य के साथ निर्णय लेने और कठिन समय में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। क्रिकेट की पिच पर दबाव के बीच निर्णय लेने वाली खिलाड़ी हो या किसी बड़े संस्थान की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी, दोनों ही उदाहरण बताते हैं कि महिलाओं ने जवाबदेही को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

आज बेटियां केवल अपने लिए आगे नहीं बढ़ रही हैं, बल्कि उनके कदमों से समाज की दूसरी बेटियों के लिए रास्ते खुल रहे हैं। किसी छोटे शहर या गांव की लड़की जब किसी महिला खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करते देखती है तो उसके भीतर भी आगे बढ़ने का विश्वास पैदा होता है। जब कोई महिला चिकित्सक, इंजीनियर, अधिकारी, वैज्ञानिक या कंपनी की प्रमुख बनती है तो दूसरी महिलाओं को यह संदेश मिलता है कि सीमाएं जन्म से तय नहीं होतीं। मेहनत, शिक्षा और अवसर के माध्यम से उन्हें बदला जा सकता है। महिलाओं की सफलता का असर परिवार और समाज दोनों पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती है और अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा तथा संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान करती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला परिवार की मजबूती बढ़ाती है। वहीं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाएं समाज की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से सामने लाती हैं। इस प्रकार एक महिला की सफलता का प्रभाव केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास की अनेक महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट उदाहरण है। क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में भारतीय बेटियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की तलाश करती है और अवसर मिलने पर परिणाम सामने आता है। महिला खिलाड़ियों की सफलता ने अभिभावकों की सोच भी बदली है। अब बेटियों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें खेल और करियर के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता भी है। आज बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं का कारोबार शुरू कर रही हैं, रोजगार दे रही हैं और आर्थिक गतिविधियों में योगदान कर रही हैं। गांवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं, जबकि शहरों में महिलाएं नई कंपनियां स्थापित कर रही हैं। तकनीक ने भी महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। घर से काम करने, ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल माध्यमों ने अनेक महिलाओं को अपनी प्रतिभा को आय के साधन में बदलने का अवसर दिया है। हालांकि महिलाओं की उपलब्धियों को केवल पुरस्कारों और पदकों से नहीं मापा जा सकता। असली सफलता तब होगी जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी पसंद का क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता मिले। परिवारों और समाज को बेटियों की प्रतिभा पर भरोसा करना होगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना होगा और असफलता के डर से रोकने के बजाय संघर्ष से सीखने का अवसर देना होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत इसी बदलती तस्वीर का प्रतीक है। मैदान पर बल्ले और गेंद से इतिहास रचने वाली बेटियां समाज को यह संदेश दे रही हैं कि महिलाओं की क्षमता को सीमित नजर से देखने का समय पीछे छूट चुका है। आज महिला केवल किसी की बेटी, बहन, पत्नी या मां की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह स्वयं अपनी अलग पहचान बना रही है। वह नेतृत्व कर रही है, निर्णय ले रही है, जिम्मेदारी उठा रही है और सफलता के नए मानक स्थापित कर रही है। महिलाओं की यह यात्रा अभी जारी है। आज की सफल खिलाड़ी, अधिकारी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्यमी और कंपनी प्रमुख आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। एक बेटी की सफलता दूसरी बेटी के सपनों को मजबूत करती है। यही बदलाव समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश की प्रगति को नई गति मिलेगी। महिला अबला नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की अग्रिम पंक्ति में खड़ी सबला शक्ति है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से



बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है। इन देशों में आयोजित सर्व धर्म सभाओं में अन्य धर्मों के धमार्चार्यों की भी उत्साहपूर्वक भागीदारी रही है। उक्त यात्रा में न्यूयार्क में सार्वभौमिक एकात्मता, टोरंटो में विश्व से मित्रता एवं लंदन में अपनेपन के संदेश के साथ डा भागवत ने सामाजिक समरसता, सेवा, विविधता के बीच एकता और नागरिक कर्तव्य पर भी जोर दिया। प्रवासी भारतीयों से उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी निष्ठा निभाने का आह्वान किया। एक तरफ भारत पूरे विश्व में सामंजस्य स्थापित कर शांति स्थापित करना चाहता है तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर अपने एकतरफा नियम थोपना चाहता है, चाहे वह टैरिफ से सम्बंधित हों अथवा अन्य देशों पर सैंक्शन लगाने से सम्बंधित हों। वेनेजुएल जैसे कुछ छोटे देशों पर तो अमेरिका ने एक तरह से अपना पूरा नियंत्रण ही स्थापित कर लिया है एवं वहां के तेल के कुओं से निकलने वाले कच्चे तेल पर अपना पूर्ण अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया है।

केवल अमेरिका ही क्यों, पूरे विश्व को ही आज भारत की सनातन संस्कृति के संस्कारों को जानने एवं उन पर अमल करने की आवश्यकता है। तभी, ईरान - अमेरिका, रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास जैसे युद्धों को टाला जा सकेगा और पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकेगी।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

अमरोहा
गुरुवार 24 सितंबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

सेवा संकल्प अभियान: 103 डिजिटल लाइब्रेरी के साथ सभी ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी की उपलब्धता सुनिश्चित



अमरोहा (सब का सपना):- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण छात्रों एवं विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग द्वारा जनपद में 103 डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायतों द्वारा अपने स्तर से निर्मित लाइब्रेरियों को समुचित रूप से संचालित एवं सुव्यवस्थित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला पंचायती राज अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण अंचल के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पढ़ाई के संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से छात्र आधुनिक तकनीक से जुड़कर ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। साथ ही पारंपरिक लाइब्रेरियों को भी सक्रिय किया जाएगा ताकि पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री की कमी न रहे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पंचायती राज विभाग ने संकल्प लिया है कि जनपद अमरोहा की प्रत्येक ग्राम पंचायत में लाइब्रेरी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी घर के पास ही अध्ययन सामग्री का लाभ उठा सकेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों एवं सचिवों को निर्देश दिए हैं कि लाइब्रेरियों का नियमित रखरखाव किया जाए तथा छात्रों को उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कराया जाए। यह पहल ग्रामीण शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी सेवा का शुभारम





अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज लखनऊ से "मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना" एवं "भारत टैक्सी" सेवा का शुभारम्भ किया गया। उक्त राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण अमरोहा ब्लॉक सभागार में आयोजित जनपदीय कार्यक्रम में किया गया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना उत्तर प्रदेश ग्राम विकास बैंक लि० (एल०डी०बी०) के माध्यम से लघु एवं सीमान्त कृषकों के आर्थिक सशक्तीकरण एवं कृषि आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदयगिरी गोस्वामी, जिलाध्यक्ष भाजपा, विशिष्ट अतिथि गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा, जिला कार्यक्रम संयोजक शारदा सिंह, करतार सिंह, चैयरमैन, एल०डी०बी० अमरोहा, वरूण अग्रवाल, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अमरोहा, समस्त सहायक विकास अधिकारी, सहकारिता, बी०पैक्स के समस्त सचिव एवं सहकारिता से जुड़े कृषक तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री द्वारा लॉन्च की गई योजना का लाइव प्रसारण सभागार में उपस्थित कृषकों द्वारा देखा व शांतिपूर्वक सुना गया। लॉन्च की गयी इस योजना का मुख्य उद्देश्य लघु एवं सीमांत कृषकों को सुलभ एवं कम ब्याज दर पर दीघ्रकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराकर उनकी उत्पादकता एवं आय में वृद्धि करना है। योजना के अन्तर्गत पात्र कृषको को रू0 06 लाख तक का दीघ्रकालीन ऋण 06 प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जायेगा। समय से ऋण की अदायगी करने वाले पात्र कृषकों को राज्य सरकार द्वारा ब्याज अनुदान का लाभ भी प्राप्त होगा। योजना हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रू0 384 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है तथा आगामी 05 वर्षों में लगभग 05 लाख कृषको को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि के साथ-साथ कृषि आधारित अन्य गतिविधियों एवं आवश्यक पूंजीगत निवेश हेतु भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी तथा ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था पर बल दिया गया है। इसी अवसर पर प्रदेश में 'भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारम्भ किया गया। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (STCL) द्वारा संचालित भारत का पहला सहकारी नेतृत्व वाला डिजिटल राइड-हेलिंग प्लेटफार्म है। "सारथी ही मालिक" की सहकारी भावना के अन्तर्गत चालक सदस्य एवं हितधारक के रूप में इससे जुड़ते है। इसका उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराते हुए चालको के आर्थिक सामाजिक सशक्तीकरण, रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। वरूण अग्रवाल, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अमरोहा द्वारा कार्यक्रम का समापन करते हुए योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए पात्र कृषकों को योजना से जुड़ने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करे।
कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों एवं सहकारिता से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहकारिता आधारित इन पहलों को जन-जन तक पहुँचाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रमुख तथ्यः रू 384 करोड़ स्वीकृत। 5 वर्षों में 5 लाख कृषक। रू0 6 लाख का दीर्घकालीन ऋण। 6% प्रभावी ब्याज दर। भारत टैक्सीः सहकारिता-आधारित डिजिटल मोबिलिटी सेवा।

आईटीआई व डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए सुनहरा अवसर



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कैलसा रोड स्थित ग्राम केशोपुर के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में दिनांक 25 सितम्बर, 2026 को शुक्रवार के दिन प्रातः 10:00 बजे विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में हरिद्वार के सिडकुल स्थित प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रतिष्ठान महेन्द्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। कंपनी विभिन्न व्यवसायों में आईटीआई तथा डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन करेगी। बाह्य जनपद से आने वाली यह कंपनी योग्य उम्मीदवारों को रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। प्रशिक्षण संस्थान के नोडल अधिकारी राहुल कृष्ण शर्मा का कहना है कि यह मेला युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर है। सभी व्यवसायों के आईटीआई और डिप्लोमा पास अभ्यर्थी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि व समय पर मूल दस्तावेजों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में उपस्थित हों। रोजगार मेले में चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी।
योग्य उम्मीदवारों को मौके पर ही साक्षात्कार व चयन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। युवाओं को सलाह दी गई है कि वे समय से पहले पहुंचकर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें ताकि कोई अवसर न चूकें।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत में चलाया जाएगा जिला स्वच्छता अभियान





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में व्यापक साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा। इसमें झाड़ियों की कटाई, जलभराव वाले स्थानों का निस्तारण, एंटी-लारवा का छिड़काव तथा फॉगिंग कार्य शामिल हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने समस्त ग्राम पंचायत अधिकारियों तथा सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को निर्देशित किया है कि वे बनाए गए माइक्रो प्लान के अनुसार गांवों में ये व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। अभियान की सफलता के लिए एक अक्टूबर से पहले ही समस्त ग्राम पंचायतों में जमा कूड़े के ढेरों को हटाने का आदेश दिया गया है। इन स्थलों को परिवर्तित कर स्वच्छ एवं साफ वातावरण तैयार किया जाएगा। इसके लिए सफाई कर्मियों की टीम लगाई जाएगी। सहायक विकास अधिकारियों को स्थलवार सूची उपलब्ध करा दी गई है, ताकि वे चयनित स्थलों का कायाकल्प कर साफ-सफाई सुनिश्चित कर सकें। अधिकारियों से कहा गया है कि वे इन कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न कराएं, जिससे गांवों में मच्छरजनित एवं अन्य संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सके।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी (अमरोहा)

पत्रांकः 2108/लेखा०/ बा० मै०शौ०/2026-27 दिनांक- 22.09.2026

-:: निविदा::-

जनपद में स्वच्छ भारत ट्रस्ट के अन्तर्गत विकास खण्ड गंगेश्वरी में बाल मैत्रिक शौचालय बनाये जाने हेतु निम्न कार्यों हेतु दिनांक 22.09.2026 के अपरान्ह 02.00 बजे से सीलबन्द निविदा/टेण्डर पंजीकृत फर्मों एवं ठेकेदारों के लिए आमन्त्रित की जाती हैं, जिनका लोक निर्माण विभाग / ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग अथवा जिला पंचायत में पंजीकरण होना आवश्यक है। निविदा दिनांक 22.09.2026 से 06.10.2026 तक बेची जायेगी। दिनांक 06.10.2026 अपरान्ह 04.00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधोहस्ताक्षरी द्वारा नामित समिति/प्रतिनिधि के द्वारा खोली जायेगी। कार्य से सम्बन्धित बिल ऑफ क्वान्टिटी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलन की धनराशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि
1	ग्राम पथरा मु0–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
2	ग्राम तरौली में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
3	ग्राम चन्दनपुर खादर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
4	ग्राम खनौरा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
5	ग्राम जेबड़ा मु0–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
6	ग्राम कसाईपुरा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
7	ग्राम ओगपुरा–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
8	ग्राम पथरा ऐत0 में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
9	ग्राम बिहारीपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
10	ग्राम नानई में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
11	ग्राम बांसका कलां–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
12	ग्राम गंगवार–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
13	ग्राम भैंसरी में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
14	ग्राम मटीपुरा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
15	ग्राम जुझारपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
16	ग्राम निरयावली भूड़ में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
17	ग्राम सुतावली में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
18	ग्राम दौलतपुर कलां में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
19	ग्राम भावली–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
20	ग्राम देहरी खादर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
21	ग्राम इमरतपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
22	ग्राम मकरन्दपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
23	ग्राम गुरैठा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
24	ग्राम काई मुस्तकम में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
25	ग्राम करनपुर खादर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
26	ग्राम ख्वाजेपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
27	ग्राम मरौरा–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
28	ग्राम मलकपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
29	ग्राम हाजीपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
30	ग्राम सिरसा कलां में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
31	ग्राम सिरसा ऐत0 में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
32	ग्राम बागड़पुर छोईया में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
33	ग्राम कोकापुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
34	ग्राम दरियापुर तुगन में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
35	ग्राम आदमपुर–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
36	ग्राम दमगढ़ा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
37	ग्राम फत्तेपुर अधेक में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
38	ग्राम सूबरा में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
39	ग्राम ढेकला में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
40	ग्राम बीझलपुर में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
41	ग्राम भैंसरोली में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन
42	ग्राम जयतौली–। में बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कार्य	36000	3600	400	90 दिन

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 22.09.2026 से 06.10.2026 तक किसी भी कार्यदिवस में निविदा शुल्क रु0 400.00 का बैंक ड्राफ्ट/ऑर्डर चैक जमा करके प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा आपूर्तिकर्ताओं को 10 प्रतिशत धरोहर राशि के राष्ट्रीय पत्र एवं बैंकों के सावधि बचत पत्र जो खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के पक्ष में बंधक हो, अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
3. निविदा आपूर्तिकर्ताओं को आयकर, जीएसटी एवं लेबर सेस नियमानुसार वहन करना होगा।
4. निविदा आपूर्तिकर्ताओं का आयकर, व्यापार कर, श्रम विभाग में पंजीकरण अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध हेतु 100/– एवं 10/– का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर भी उपलब्ध कराना होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी (अमरोहा)

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी (अमरोहा)

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी और खनन निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग

खनन ठेकेदारों की मनमानी से संभल में जनता व व्यापारी परेशान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- मिट्टी खनन को लेकर आम जनता और व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिलाध्यक्ष सागर गुप्ता ने कहा की खनन सिंडीकेट और विभागीय मिलीभगत के कारण साधारण कार्य के लिए भी ईसी परमिशन धारकों को पांच हजार प्रति डंपर मोटी रकम देने पर विवश होना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर नियम-कानूनों का हवाला देकर सही कार्य करने वालों का लगातार शोषण किया जा रहा है। उचित मूल्य पर समय से मिट्टी उपलब्ध न होने के कारण आमजन के मकान निर्माण से लेकर औद्योगिक विकास कार्य पूरी तरह ठप्प पड़ गए हैं। इसके साथ ही



तहसील चंदौसी के ग्राम बनियाखेड़ा थाना बनियाठेर में लंबे समय से चल रहे मिट्टी खनन से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। गांव के रास्तों पर दिन-रात दौड़ रहे 15-20 भारी डंपरों के कारण मुख्य सड़कें और खड़ंजे पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं। डंपरों की आवाजाही से किसानों के खेतों की सिंचाई पाइप लाइनें टूट गई हैं और फसलें कुचली जा रही हैं। तेज गति से वाहन चलाने और मना करने पर गाली-गलौच करने से ग्रामीणों का आवागमन, बच्चों का स्कूल जाना तथा पशुओं को खेतों तक ले जाना भी दूभर हो गया है। अत्यधिक धूल उड़ने से गांव में वायु प्रदूषण का खतरा भी बढ़ गया है।

समस्या के त्वरित निस्तारण हेतु अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपते समय जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता, शाहआलम मंसूरी,वेद प्रकाश, तेजराम, राजपाल, राम सिंह, राजेश, हरिओम, सुनील, सूरजकुमार, विनोद और अनुज कुमार,मुनेश, इमरत लाल, एकराम, सतीश कुमार जैन,प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पराली जलाने पर होगी सख्त विधिक कार्रवाई और भारी जुमार्ना





सम्भल (सब का सपना):- जनपद में फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा पराली जलाने की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा व्यापक निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशों के अनुपालन में तथा उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की विशेष टीमों ने क्षेत्र के विभिन्न मार्गों और ग्रामीण इलाकों में संचालित कंबाइन हार्वेस्टर मशीनों का सघन निरीक्षण किया। कृषि विभाग की टीम में शामिल विषय वस्तु विशेषज्ञ सुबेक सिंह (उप संभाग सम्भल) और सहायक विकास अधिकारी कृषि मनीष कुमार ने बहजोई-चन्दौसी मार्ग पर खड़ी 7-8 कंबाइन मशीनों तथा गुमसानी रोड पर खड़ी 2 कंबाइन मशीनों की मौके पर जाकर जांच की। इसके अतिरिक्त न्याय पंचायत फतेहुल्लागंज के ग्राम शाहपुर चामरान और विकासखंड असमोली के विभिन्न क्षेत्रों में भी कंबाइन हार्वेस्टर मशीनों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान अधिकांश मशीनों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगा हुआ पाया गया। कृषि अधिकारियों ने कंबाइन हार्वेस्टर के संचालकों और ऑपरेटरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि फसल कटाई के समय एसएमएस उपकरण को अनिवार्य रूप से चालू रखा जाए। बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के फसल की कटाई करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक सतर्कता के तहत सभी हार्वेस्टर चालकों और संचालकों के नाम एवं मोबाइल नंबर दर्ज किए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनकी जवाबदेही तय की जा सके।अभियान के दौरान किसानों और कंबाइन ऑपरेटरों को जागरूक करते हुए बताया गया कि फसल अवशेषों को खेत में जलाने के बजाय एसएमएस के माध्यम से खेत में ही निस्तारित करें। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहता है और भूमि की उर्वरता क्षमता भी बनी रहती है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि पराली या फसल अवशेष जलाना कानूनन दंडनीय अपराध है।

पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर भूमि क्षेत्रफल के आधार पर भारी जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पराली जलाने पर पांच हजार दस हजार और तीस हजार तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि यदि कोई भी कंबाइन हार्वेस्टर बिना एसएमएस चालू किए चलता हुआ पाया गया अथवा कटाई के बाद खेत में पराली जलाने का मामला सामने आया, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ बिना किसी ढील के तुरंत विधिक कार्रवाई की जाएगी और निर्धारित जुमार्ना वसूला जाएगा। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों, कंबाइन मालिकों और चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

आयुर्वेद दिवस पर सम्भल में विशाल संगोष्ठी आयोजित ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष सेवाओं को पहुंचाने पर जोर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के दिशा-निर्देशों के अनुरूप और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में एक विशाल संगोष्ठी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री अजीत कुमार राजू यादव उपस्थित रहे। संगोष्ठी में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों क्षेत्र के कृषकों तथा आम जनता ने अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ताओं द्वारा वर्तमान समय में आयुर्वेद की प्रासंगिकता स्वस्थ जीवनशैली के चयन गंभीर बीमारियों की रोकथाम प्राकृतिक एवं संतुलित खान-पान तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के व्यापक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने आयुर्वेद की



महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के निवारण अथवा उपचार तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक संपूर्ण जीवन पद्धति है जो मनुष्य को निरोगी रहने सही आहार-विहार का पालन करने और प्राकृतिक स्वास्थ्य के संरक्षण की दिशा दिखाती है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से दैनिक दिनचर्या में आयुर्वेद के सिद्धांतों को शामिल करने और नजदीकी सरकारी आयुष केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयुष चिकित्सा को सुदृढ़ करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में आयुष विभाग ने दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के विशेष निदेशों के क्रम में आयुष विभाग की पिछले 10 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जिले के प्रत्येक नागरिक तक प्रदर्शित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद के विभिन्न आयुष चिकित्सालयों के माध्यम से ग्राम स्तर पर चौपालों विशेष संगोष्ठियों और निःशुल्क चिकित्सा शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

इन अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों को योगाभ्यास उचित खान-पान, मौसमी बीमारियों से बचाव तथा स्वास्थ्य संरक्षण के उपायों की जानकारी दी जा रही है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन-जन को आयुर्वेद से जोड़ना और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना है।

इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. स्वाति ढिल्लन, डॉ. शिवानी, डॉ. महजबीन खान, डॉ. प्रदीप त्यागी, डॉ. अभय शर्मा, मोहित कुमार, मोहम्मद इल्यास, योगाचार्य अमरनाथ कुमार, अरविंद कुमार, राजकुमार सहित जनपद के समस्त आयुष चिकित्सा अधिकारियों कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर जाने वाला रास्ता कीचड़ में तब्दील, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लंबे समय से सफाई न होने से गांव में गंदगी और मच्छरों का प्रकोप, ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर अनदेखी का लगाया आरोप





बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र के गांव चाटन में जगह-जगह फैली गंदगी और कीचड़ से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर को जाने वाला मुख्य रास्ता लंबे समय से खराब है और बारिश व जलभराव के कारण पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आरोग्य मंदिर जाने के लिए लोगों को इसी कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। इससे मरीजों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लंबे समय से सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं है। नियमित सफाई न होने के कारण जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं और नालियों में गंदा पानी जमा है। इससे गांव में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है तथा संक्रामक और गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से गांव में कोई सफाई कर्मी नहीं आया है। कई बार ग्राम प्रधान से समस्या के समाधान की शिकायत की गई, लेकिन इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। समस्या का समाधान न होने से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर रोष जताया। ग्रामीणों ने गांव की सफाई कराने और आयुष्मान आरोग्य मंदिर वाले रास्ते को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में राम रहीश, ह्रदेश, राकेश, योगेंद्र, बिनशू यादव समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी (सचिव) सविता रानी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर की ओर जाने वाला रास्ता कीचड़ से भरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस रास्ते को करीब आठ दिन में सही करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव में वर्तमान में कोई सफाई कर्मी तैनात नहीं है, लेकिन अपनी ओर से सफाई कर्मी लगाकर जल्द ही गांव में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आईटी आई चन्दौसी में कार्यक्रम का आयोजन

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के दिशा-निर्देशों में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज एवं ओरिएंटेशन सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के 206 प्रशिक्षार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। आयोजन के दौरान प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न तकनीकी प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें उनकी कार्यकुशलता और नवाचार की क्षमता देखने को मिली। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ। प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के रौनक लकी और ज्योति को प्रथम स्थान मिला। वायरमैन ट्रेड के अंकित



अमन हर्षित और मुकुल ने दूसरा तथा फिटर ट्रेड के किशनवीर शांक शिवम और जोलेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में नए प्रवेश लेने वाले प्रशिक्षार्थियों का स्वागत कर उन्हें आईटीआई में उपलब्ध सुविधाओं रोजगार के अवसरों और कौशल विकास के महत्व से अवगत कराया गया। पुराने और पूर्व में उत्तीर्ण हो चुके छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नए छात्रों का मार्गदर्शन किया। संस्थान के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह पाल ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री या प्रमाण-पत्र हासिल करना काफी नहीं है बल्कि छात्रों को अपने व्यावहारिक ज्ञान तकनीकी कौशल और व्यक्तित्व विकास पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अनुशासन और लगन के साथ सीखकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के अनुदेशकों और अतिथियों ने भी उद्योग जगत की आधुनिक आवश्यकताओं और स्वरोजगार के विकल्पों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह पाल शिवम राज आर्यन कीर्तिपाल शर्मा अनुल कुमार गुप्ता सुधाकर मिश्रा कुलदीप गोपाल चतुर्वेदी मुकेश कुमार और धीरज सक्सेना सहित संस्थान के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों और अनुदेशकों का सराहनीय योगदान रहा।

गुम हुआ आभूषण और सामान से भरा बैग पुलिस ने महिला को लौटाया

ईमानदारी दिखाने वाले राकेश समेत पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया सम्मानित





बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में थाना गुन्नौर क्षेत्र के नेहरू चौक पर एक महिला का आभूषण, घड़ियां, नए वस्त्र, मोबाइल फोन समेत अन्य सामान से भरा बैग छूट गया। स्थानीय निवासी राकेश पुत्र किशन लाल निवासी मोहल्ला मुंडा, कस्बा गुन्नौर को बैग मिला तो उन्होंने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए बैग पुलिस चौकी कस्बा गुन्नौर पर लाकर सुपुर्द कर दिया। इसके बाद थाना गुन्नौर पुलिस टीम में शामिल उपनिरीक्षक योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल सोनवीर और कांस्टेबल सुनील कुमार ने बैग की स्वामिनी की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मीना बेगम पत्नी इमरान निवासी मोहल्ला फजल, कस्बा व थाना गुन्नौर, हाल पता लाल कुआं दिल्ली से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस ने खोया हुआ बैग उसमें रखे सभी सामान सहित सकुशल मीना बेगम के सुपुर्द कर दिया। बैग मिलने के बाद उसे पुलिस को सौंपने वाले राकेश के कार्य की पुलिस ने सराहना की। वहीं थाना गुन्नौर पुलिस की तत्परता से सामान सहित बैग महिला को वापस मिलने पर आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सकारात्मक भावना को बढ़ावा मिला।

इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक संभल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने स्थानीय निवासी राकेश तथा उपनिरीक्षक योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल सोनवीर और कांस्टेबल सुनील कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। एसपी ने सभी के ईमानदार एवं अनुकरणीय आचरण की सराहना की।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा संकल्प अभियान दिनांक 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत चित्र- सेवा, कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 18 व 19 सितंबर को विद्यालय स्तर पर मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं कि विकासखंड स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। ओम प्रकाश गोला माटी कला बोर्ड अध्यक्ष उत्तर प्रदेश मुख्य अतिथि तथा अतुल चौधरी जिला उपाध्यक्ष भाजपा एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक, शुभम चौधरी जिला उपाध्यक्ष भाजपा एवं राजीव चौहान जिला महामंत्री भाजपा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ओमप्रकाश गोला ने उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं ग्राम वासियों से संवाद करते हुए कहा की वह सरकार व विभाग को धन्यवाद देना चाहेंगे कि जिससे ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की प्रतिभा



को निखारने में सहायता मिलती है। साथ ही उन्होंने उपस्थित शिक्षकों से अपील की कि वह अपने छात्र-छात्राओं में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने का काम भी करेंगे।

मेरे सपनों का भारत चित्र- सेवा कार्यक्रम के जिला संयोजक एवं भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अतुल चौधरी ने प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी तथा प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी बच्चों के प्रयासों एवं चित्रकला के माध्यम से बच्चों की रचनात्मक एवं सृजनात्मकता की भूरी -भूरी प्रशंसा की। तथा उपस्थित लोगों से अपील की कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने में हम आदरणीय प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

शुभम चौधरी जिला उपाध्यक्ष भाजपा ने बेसिक शिक्षा विभाग में विद्यालय के कायाकल्प एवं बच्चों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। तथा शिक्षकों से अपील की कि वह सरकार की योजनाओं को सफल बनाने में अपना अहम योगदान प्रदान करें।

राजीव चौहान जिला महामंत्री भाजपा ने उपस्थित शिक्षकों अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपने बच्चों की शिक्षा को व्यवसायिक होने के साथ-साथ नीतिपरक एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान पर भी बल देते हुए उनके व्यक्तित्व का निर्माण करें। जिससे अखंड भारत का निर्माण हो सके।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ओमप्रकाश गोला के द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी जोया अनिल कुमार ने कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि ,विशिष्ट अतिथि ,शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही बच्चों से अपील की कि वह शिक्षा के क्षेत्र में अपने कौशल के माध्यम से अपने जीवन एवं राष्ट्र को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे।

कार्यक्रम का संचालन एआरपी मृणालिनी गोला द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व प्रवक्ता सुनील त्यागी, एआरपी रश्मि चौधरी, मृणालिनी सिंह, भूपेंद्र कुमार, जयदीप सिंह, धर्मेंद्र सिंह, शिक्षक-शिक्षिकाएं, बच्चे, समस्त बी.आर.सी कार्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ओवरलोडिंग पर चला पुलिस का डंडा, 25 ऑटो-ई-रिक्शा सीज

संभल(सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए बुधवार को पुलिस अधीक्षक संभल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।चेकिंग के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने के मामलों में 25 वाहन सीज किए गए। इसके अलावा



इंटरसेप्टर के माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के 246 चालान किए गए, जिन पर कुल 6 लाख 26 हजार 800 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। ऑटो और ई-रिक्शा में लगे 23 अवैध पायदान भी हटवाए गए। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं और वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन सड़क पर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। जनपद पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, यातायात नियमों के उल्लंघन और बिना वैध दस्तावेज संचालित वाहनों के खिलाफ चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

राजा का ताजपुर में कथित अवैध पैथोलॉजी लैबों पर उठे सवाल

बिना पंजीकरण और मानकों के संचालन का आरोप, स्वास्थ्य विभाग से जांच व कार्रवाई की मांग

राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- राजा का ताजपुर कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में कथित तौर पर बिना आवश्यक पंजीकरण, मानकों और निर्धारित योग्य स्टाफ के संचालित हो रही पैथोलॉजी लैबों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई लैबों में मरीजों की विभिन्न प्रकार की जांच की जा रही है, लेकिन वहां प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ और अधिकृत चिकित्सकीय निगरानी की व्यवस्था स्पष्ट नहीं है।स्थानीय लोगों के अनुसार कस्बे की गली-मोहल्लों से लेकर मुख्य बाजार तक कई स्थानों पर पैथोलॉजी जांच केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ केंद्रों पर मरीजों को जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती है, जबकि रिपोर्ट तैयार करने और सत्यापित करने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि गलत या संदिग्ध रिपोर्ट मिलने की स्थिति में मरीजों को अनावश्यक परेशानी और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कथित रूप से कुछ जांच केंद्रों का निजी अस्पतालों अथवा अन्य चिकित्सा संस्थानों से संपर्क हो सकता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित पक्षों का बयान सामने आना बाकी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को क्षेत्र में संचालित सभी पैथोलॉजी लैबों के पंजीकरण, मानकों, तकनीकी स्टाफ और रिपोर्टिंग व्यवस्था की जांच करनी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि यदि कोई लैब नियमों के विपरीत संचालित पाई जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वहीं जब स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस संबंध में बात करनी चाही तो फोन रिसीव नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों ने विभाग से अभियान चलाकर जांच कराने और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

गन्ने के खेत के किनारे मिला महिला का अधजला शव, पास मिला करीब एक साल का मासूम

शव मिलने की सूचना से मचा हड़कंप, पुलिस ने बच्चे को सीएचसी भेजा; महिला की शिनाख्त में जुटी टीम





बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना नूरपुर क्षेत्र के गोहवर इलाके में ग्राम आलमपुर एड्वा के पास जंगल में गन्ने के खेत के किनारे बुधवार को एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला का शव मिलने की सूचना आसपास के ग्रामीणों को हुई तो मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव के पास करीब एक साल का बच्चा मिलने से मामला और गंभीर हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं शव के पास मिले मासूम बच्चे को पुलिस द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक देखभाल के लिए सीएचसी नूरपुर भेजा गया। पुलिस के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती मृतका की पहचान करना है। पुलिस टीम आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ ही महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। महिला की पहचान होने के बाद ही घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। क्षेत्राधिकारी चांदपुर के अनुसार, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव यहां कैसे पहुंचा, इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। घटना के बाद से इलाके में तरह-तरह की चचाएं हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और महिला की पहचान के प्रयास लगातार जारी हैं।

अल्प सेवा में जो नाम कप्तान कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कमाया वह वास्तव में अपने आप में गौरव की बात



बिजनौर (सब का सपना):- निष्पक्षता न्याय प्रियता,गंभीरता, कर्तव्य परायणता का दूसरा नाम कृष्ण कुमार बिश्नोई है।यह सच है कि जब कभी भी कोई कप्तान जिले में आता है तो हम उससे बहुत ज्यादा अपेक्षा करते है ओर शायद पुरानो से तुलना भी हम बेहतर कप्तान चाहते है, उससे चमत्कारीक आशाएं करते है प्रत्येक कप्तान का काम करने का अपना तरीका एवं नजरिया होता है लेकिन लक्ष्य एक होता है कि मजबूती के साथ कानून का राज स्थापित करना। उत्तरप्रदेश में कुछ मामलों के बाद से कुछ जिलो का मिजाज बदल गया है बदले हुए इस मिजाज को भापकर अधिकारी अपने ढंग से काम करते हैं , हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए प्रयास करते है,सद्भावना और सौहार्द के लिए काम करते हैं,पीड़ित को इंसाफ मिल जाएं इस ओर काम करते है और अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसकर काम करते हैं।जो कप्तान जिले में आता है उसके प्रति हमारे भी कुछ कर्तव्य एवं दायित्व बनते हैं जिन्हें हम कुछ हद तक निभाते भी है। कुछ पूर्व कप्तानों की कार्य प्रणाली ने कप्तान को इस जिले में सीधे तौर पर जनता के साथ जोड़ दिया है अर्थात कप्तान जनता का रिश्ता कायम किया एक आम आदमी भी यहां पर कप्तान में रुचि लेता है उसके तौर तरीके एवं कार्य पर नजर रखकर उसका आकलन करता है। थाने या चौकी के बजाए सीधे कप्तान से अपनी बात रखने में विश्वास करता है।सच यह भी है जिले का कप्तान, जनता को अजीज भी बहुत हैं। गांव मोहल्ले के लोग बिना काम के भी कप्तान से शिष्टाचार के नाते मिलने पहुंच जाते है सीधे-साधे लोग,फिर बैठकर चर्चा भी करते हैं, कप्तान बहुत अच्छा आया है भाई सबकी सुनता है लेकिन करता है अपने मन की अक्सर ऐसी बातें होती रहती है बिजनौर कप्तान कृष्ण कुमार बिश्नोई को जिले की कमान संभाले वैसे तो अभी कुछ ही दिन हुए है लेकिन इन्होंने इन दोनों में जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाई हुई है जनता की कसौटी पर खरा उतरने का क्या स्टिक पैमाना होता है यह तो नहीं मालूम लेकिन इतना अवश्य है कि कृष्ण कुमार विश्नोई यह सब बखूबी जानते हैं उनकी पहचान उन तेजतर्रार एवं दमदार आईपीएस अधिकारियों में होती है जो चुनौतीपूर्ण जिलों में तैनात किए जाते हैं कृष्ण कुमार बिश्नोई का अब तक का कैरियर बताता है कि चुनौतियों से लड़ने में उन्हें मजा आता है,लक्ष्य और फर्ज को बखूबी अंजाम दिया है यही कारण है कि आज इस मुकाम पर है

कि प्रदेश में पुलिस अफसरों में कृष्ण कुमार विश्नोई का नाम आदर भाव के साथ लिया जाता है कम उम्र एवं अल्प सेवा में जो नाम उन्होंने कमाया है वह वास्तव में अपने आप में गौरव की बात है यकीनन कृष्ण कुमार बिश्नोई जैसे अफसर ही विभाग की आन बान और शान होते हैं।

सोशल मीडिया पर महिला के जहर खाने से मौत की सूचना निकली गलत

पुलिस जांच में बीमारी के कारण मौत की बात सामने आई, परिजनों ने कार्रवाई से किया इनकार

बिजनौर (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर थानाक्षेत्र स्योहारा के ग्राम मुकरपुरी में एक महिला द्वारा जहर खाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी की। जांच के दौरान ऐसी किसी घटना की पुष्टि नहीं हुई। महिला के भाई ने उसकी मौत बीमारी के कारण होना बताया है।पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक मौके पर पहुंचे। वहां मृतका के परिजन और ससुराल पक्ष के लोग शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने की तैयारी में थे। पुलिस ने गांव के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली, लेकिन ग्रामीणों ने महिला द्वारा जहर खाकर आत्महत्या किए जाने की किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया।इसके बाद पुलिस ने मृतका के भाई सत्यजीत प्रभाकर पुत्र होशियार सिंह निवासी मोहल्ला कंजी सराय, थाना कोतवाली सदर, जनपद मुरादाबाद से बातचीत की। उन्होंने बताया कि उनकी बहन शोभा की शादी वर्ष 2007 में हुई थी और उनकी दो संतानें हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में किसी तरह का पारिवारिक विवाद नहीं था। शोभा की मौत बीमारी के कारण हुई है।

मृतका के भाई ने पुलिस को बताया कि वह या उनके परिवार के लोग इस मामले में किसी तरह की पुलिस कार्रवाई नहीं चाहते हैं। पुलिस के अनुसार, मौके पर की गई पूछताछ में सोशल मीडिया पर प्रसारित जहर खाकर आत्महत्या की सूचना की पुष्टि नहीं हुई।

यूपीआई पर शुल्क बढ़ा तो महंगी पड़ सकती है डिजिटल खरीदारी

व्यापारियों पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई आखिरकार उपभोक्ताओं की जेब से होने की आशंका

बिजनौर (सब का सपना):- देश में डिजिटल भुगतान की व्यवस्था को नई दिशा देने वाले यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) को लेकर प्रस्तावित बदलाव ने व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच चिंता बढ़ा दी है। दो हजार रुपये से अधिक के व्यापारिक लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत सेवा शुल्क लगाए जाने की व्यवस्था का उद्देश्य बैंकों और फिनटेक कंपनियों की वित्तीय मजबूती बताया जा रहा है। हालांकि, इसका अप्रत्यक्ष असर आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। नीतिगत तौर पर इस शुल्क का सीधा भुगतान व्यापारी को करना होगा और ग्राहक से अलग से शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं होगी। बावजूद इसके बाजार की वास्तविक परिस्थितियां कुछ और संकेत देती हैं। व्यापारियों पर लागत बढ़ने की स्थिति में उसकी भरपाई के लिए वस्तुओं और सेवाओं के दाम बढ़ाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। खासकर बड़े शोरूम, खुदरा कारोबार और अधिक मूल्य वाले सामान की खरीद में डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ऐसे में प्रत्येक लेन-देन पर लगने वाला शुल्क व्यापारियों की लागत में जुड़ सकता है। कारोबारियों द्वारा इस अतिरिक्त खर्च को कीमतों में शामिल किए जाने पर अंततः इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के साथ यह भी जरूरी है कि लेन-देन की लागत कम से कम रखी जाए, ताकि नकद भुगतान की तुलना में डिजिटल माध्यम उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए सुविधाजनक बना रहे। यदि शुल्क का बोझ बढ़ता है तो छोटे व्यापारियों के साथ-साथ आम ग्राहकों पर भी इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता है। यूपीआई की लोकप्रियता का बड़ा कारण इसकी सरलता और कम लागत रही है। ऐसे में शुल्क संबंधी किसी भी बदलाव का असर केवल बैंकिंग और फिनटेक कंपनियों तक सीमित न रहकर पूरे बाजार पर पड़ सकता है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि प्रस्तावित व्यवस्था लागू होने के बाद व्यापारी और उपभोक्ता इसे किस तरह अपनाते हैं और बाजार में कीमतों पर इसका कितना असर पड़ता है।

देहदान-अंगदान से किसी को मिल सकता है नया जीवन, नुमाइश में चला जागरूकता अभियान

प्रधानाचार्या डॉ. चौधरी ललिता ने स्वयं अंगदान का संकल्प लेकर लोगों को किया प्रेरित





बिजनौर (सब का सपना):- महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बिजनौर की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत शहर की नुमाइश में देहदान एवं अंगदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने आमजन को अंगदान और देहदान के महत्व की जानकारी देते हुए लोगों से इस मानवीय एवं पुनीत कार्य के लिए आगे आने की अपील की।शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष बिजनौर साकेंद्र चौधरी ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि अंगदान और देहदान किसी महापुण्य से कम नहीं है। किसी व्यक्ति के अंगदान से जरूरतमंद को नया जीवन और नेत्रदान से दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से इस अभियान से जुड़कर समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

प्रधानाचार्या ने स्वयं लिया अंगदान का संकल्प

कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. चौधरी ललिता ने स्वयं अंगदान की प्रतिज्ञा लेकर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने शिविर में प्रथम सहभागी के रूप में दान-पत्र भरते हुए कहा कि अंगदान जीवनदान के समान है। उन्होंने आमजन को पंपलेट वितरित कर अंगदान एवं देहदान के प्रति जागरूक किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस मानवीय पहल से जुड़ सकें।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने समझाया दान का महत्व

नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज बर्मन ने नेत्रदान की जानकारी देते हुए बताया कि कॉर्निया दान के माध्यम से किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में उजाला लाया जा सकता है।शरीर रचना विज्ञान विभाग के डॉ. विदित दीक्षित ने देहदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने में देहदान की महत्वपूर्ण भूमिका है। मानव शरीर की संरचना को समझने के लिए चिकित्सा विद्यार्थियों एवं शोधकताओं को देह की आवश्यकता होती है।डॉ. पेटसन ने अंगदान की प्रक्रिया तथा शरीर के विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के दान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शिविर में चिकित्सकों ने लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या डॉ. चौधरी ललिता ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई दी।इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री विनोद राठी, किसान मोर्चा भाजपा के उपाध्यक्ष ओमवीर राणा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जयवीर राठी के अलावा मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. अमरदीप, डॉ. खुशबु यादव, डॉ. शोभिता, डॉ. निखिल, डॉ. राहुल, डॉ. उज्जवल, डॉ. उत्कर्ष सहित अनेक चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आई महिला, क्षत-विक्षत शव के अंग रेलवे ट्रैक पर बिखरे

भीड़ बनी रही मूकदर्शक, महिला यात्री और निजी चिकित्सक ने पुलिस की मदद कर पेश की इंसानियत की मिसाल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली मार्ग स्थित रेलवे फाटक के पास बुधवार दोपहर सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आने से करीब 40 वर्षीय अज्ञात महिला की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेन महिला को काफी दूर तक घसीटती हुई ले गई, जिससे उसके शरीर के अंग रेलवे ट्रैक पर बिखर गए। हादसे की सूचना पर पहुंची जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने शव के अंगों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर जिला अस्पताल भेज दिया। देर शाम तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी। बुधवार दोपहर नगीना से होकर जा रही सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में कोतवाली मार्ग स्थित रेलवे फाटक के पास खंभा संख्या 1475/21 से 1475/23 के बीच एक महिला आ गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई और उसके शरीर के अंग रेलवे ट्रैक पर बिखर गए।हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी धामपुर चौकी प्रभारी टिवंकल कुमार, नगीना जीआरपी के हेड कांस्टेबल अमित कुमार, कांस्टेबल अरबाज खान तथा नगीना पुलिस की कोबरा-32 मोबाइल बाइक टीम के हेड कांस्टेबल सनी कुमार तोमर और अमित कुमार मौके पर पहुंचे। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर बिखरे महिला के शरीर के अंगों को एकत्र करने के लिए मौजूद लोगों से मदद मांगी, लेकिन भीड़ में से कोई आगे नहीं आया। लोग मूकदर्शक बने तमाशा देखते रहे। इसी दौरान मुरादाबाद से अपने बेटे की दवाई लेकर लौट रही ग्राम चंदनवाला निवासी ललिता पत्नी संजय और ग्राम शाहबाजपुर निवासी निजी चिकित्सक मोहम्मद दाऊद ने आगे बढ़कर पुलिसकर्मियों का सहयोग किया। दोनों ने बिना झिझक क्षत-विक्षत शव के अंगों को एकत्र कराने में मदद की। इसके बाद शव को जीआरपी चौकी भिजवाया गया। पुलिस को घटनास्थल से हरे रंग का बुर्का और लाल रंग का दुपट्टा भी मिला है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर जिला अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पितृ पक्ष में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 2 अक्टूबर से





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पितृ पक्ष के पावन अवसर पर गंगा नगर, बिश्नोई सराय में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 2 से 8 अक्टूबर तक किया जाएगा। कथा का शुभारंभ 2 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कथा ज्ञान यज्ञ के संयोजक पंडित अजय तिवारी ने बताया कि प्रतिदिन शाम चार से सात बजे तक परम पूज्य कथा व्यास श्री उमेश दुबे श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। 9 अक्टूबर को हवा-पूजन और विशाल भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। पंडित अजय तिवारी ने क्षेत्र के सनातन धर्मावलंबियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। पितृ पक्ष में कथा श्रवण, हवन-पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों से पूर्वजों की शांति एवं परिवार में सुख-शांति की कामना की जाती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में भागवत कथा का विशेष महत्व बताया गया है और इसके श्रवण से समाज में सद्भाव, शांति तथा धार्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में नाबालिग आरोपी हिरासत में

पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की विधिक कार्रवाई



मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावली थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने नामजद नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां ने 21 सितंबर 2026 को मंडावली थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस संख्या 113/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1), 351(2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया।थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल मोनू मलिक (747) समेत पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नामजद नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपी को बाल न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किए जाने संबंधी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

उधार समान लेकर दुकानदारों को लगाया चूना ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार



चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- दुकान से सामान लेकर बाद में भुगतान करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में थाना चन्दौसी पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मुकदमों से संबंधित सामान भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार सोमवार को गोपाल शर्मा पुत्र श्यामलाल शर्मा निवासी बहजोई रोड चन्दौसी ने थाना चन्दौसी में तहरीर देकर बताया था कि सतवीर सिंह और राजेश अग्रवाल ने बहजोई रोड स्थित जीवन अस्पताल के बराबर कंपनी खोलने की बात कहकर उनकी दुकान से 30 कट्टे पुट्टी, 20 लीटर पालीमर, 10 कट्टे सीमेंट, पांच कट्टे पीओपी और तीन बाल्टी प्राइमर, जिसकी कीमत करीब 40,750 रुपये थी, यह कहते हुए लिया कि बाद में भुगतान कर देंगे। भुगतान न मिलने पर बताए गए पते पर पहुंचने पर वहां कोई कंपनी नहीं मिली। पुलिस के मुताबिक इसी तरह जवाहर इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक अंकुर ग्रोवर से 42,074 रुपये, कृष्णा प्लाईवुड एंड हार्डवेयर के मनीष कुमार से 55,200 रुपये तथा जय राधे प्लाईवुड बहजोई रोड के राहुल गुप्ता से 70,000 रुपये का सामान मंगवाकर ठगी किए जाने की शिकायत भी सामने आई थी। इस संबंध में थाना चन्दौसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार को थाना चन्दौसी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुकदमे में वांछित रजत जैन उर्फ राजेश पुत्र महेश चन्द्र, उम्र 42 वर्ष तथा सतवीर सिंह सरदार पुत्र सुरेन्द्र सिंह सरदार, उम्र 42 वर्ष को मथुरा रोड स्थित महेश्वरी इंटर कॉलेज के गेट पर बने खोखे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से संबंधित मुकदमों से जुड़ा सामान बरामद किया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

नगीना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

प्लेटफार्म नंबर एक से जीआरपी चौकी हटने से बढ़ी परेशानी, मुख्य द्वार पर ई-रिक्शों का कब्जा







नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- रेलवे स्टेशन पर आधा दर्जन से अधिक एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव होने के बावजूद यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था की कमी से जूझना पड़ रहा है। नवनिर्माण के नाम पर प्लेटफार्म नंबर एक से पुरानी जीआरपी चौकी हटाए जाने के बाद स्टेशन परिसर में पुलिस की स्थायी मौजूदगी को लेकर यात्रियों में चिंता बनी हुई है। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की नियमित चौकी न होने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मुख्य निकास द्वारों पर बेतरतीब तरीके से खड़े ई-रिक्शों के कारण यात्रियों को आने-जाने में भी परेशानी होती है। आरोप है कि ई-रिक्शों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा करने की बात कहने पर कुछ चालक यात्रियों से विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। बताया जाता है कि रेलवे के रिकॉर्ड में स्टेशन पर एक दरोगा, दो हेड कांस्टेबल और 10 सिपाहियों समेत कुल 13 पुलिसकर्मियों की तैनाती है। हालांकि, चौकी के लिए निर्धारित स्थान नहीं होने के कारण स्टेशन पर अधिकांश समय पर्याप्त पुलिसकर्मी दिखाई नहीं देते। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मी रेलवे कॉलोनी में रहते हैं, जिससे जरूरत के समय यात्रियों को तत्काल पुलिस सहायता मिलने में परेशानी हो सकती है। नगीना रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन कई नॉन-स्टॉप ट्रेनें तेज गति से गुजरती हैं। वहीं आरपीएफ के जवान भी धामपुर स्थित चौकी से आने के कारण स्टेशन पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने की बात कही जा रही है। ऐसे में प्लेटफार्म पर किसी अप्रिय घटना या वारदात की स्थिति में यात्रियों को तत्काल पुलिस सहायता कैसे मिलेगी, यह सवाल बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों और दैनिक यात्रियों ने मुख्यमंत्री, रेल मंत्री तथा मुरादाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) से मामले का संज्ञान लेकर स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है। लोगों ने प्लेटफार्म नंबर एक पर जीआरपी और आरपीएफ की स्थायी चौकी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने, ई-रिक्शों की पार्किंग व्यवस्थित कराने तथा स्टेशन पर पुलिस की नियमित मौजूदगी सुनिश्चित करने की मांग की है।इसके साथ ही यात्रियों ने स्टेशन पर जर्जर शौचालयों की मरम्मत और पर्याप्त शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई है। यात्रियों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि स्टेशन पर सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहता है तो इसका खामियाजा रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ता है।

किसान मोर्चा की जिला कार्यकारिणी बैठक में नुक्कड़ नाटकों को भव्य और प्रभावी बनाने का लिया गया संकल्प



बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर किसान मोर्चा के तत्वाधान में एक महत्वपूर्ण जिला कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के अंतर्गत विधानसभा वार नुक्कड़ नाटकों के सफल आयोजन की रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक में उपस्थित संयोजकों और सह-संयोजकों ने आपस में गहन विचार-विमर्श करते हुए जन-जागरूकता अभियानों और नुक्कड़ नाटकों को अत्यंत प्रभावी एवं आकर्षक ढंग से जनता के बीच प्रदर्शित करने का सामूहिक संकल्प लिया।
बैठक में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एक-एक विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रमों के संचालन, समय-सारणी और संवाद की तैयारियों पर चर्चा की, ताकि नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन-जन तक मोर्चा का संदेश स्पष्टता से पहुँच सके। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष खेल सिंह राजपूत की अध्यक्षता में रणनीति तय की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री शोभित त्यागी, जिला उपाध्यक्ष अवधेश कुमार एवं जिला मंत्री अंकित चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मार्गदर्शन किया। विधानसभा वार जिम्मेदारी को संभालते हुए चांदपुर विधानसभा से जिला उपाध्यक्ष सुनील चौधरी एवं मंडल अध्यक्ष नरेंद्र चौधरी उपस्थित रहे। वहीं बिजनौर विधानसभा से सुनील राजपूत जी व संयोजक व सहसंयोजक प्रतिका राठी ने रूपरेखा साझा की। नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष सहसंयोजक ललित पाल तथा सुशील चौहान सहित कई पदाधिकारी व प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठनात्मक निष्ठा और ऊर्जा के साथ हर विधानसभा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एक नया कीर्तिमान स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई।

सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता देना ही हमारा लक्ष्य: विनोद झा

गजरौला में जुबिलेंट परिसर में सामुदायिक सहभागिता बैठक का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा ,स्वास्थ्य, चिकित्सा, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यावरण संरक्षण, युवा उत्थान समेत कई क्षेत्रों में जुबिलेंट सतत कार्य कर रही है और यह आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। यह कहना है जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा का। बता दें कि बुधवार को गजरौला में स्थित जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड के ऑफिसर्स क्लब में सामुदायिक सहभागिता बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जुबिलेंट इनग्रेविया के यूनिट हेड विनोद झा एवं जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र बंसल ने अतिथियों के संग दीप प्रज्वलित करके किया। विनोद झा ने कंपनी के कार्यों के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि यहां बनने वाला केमिकल चीन को निर्यात होता है। जो कि कंपनी की बड़ी उपलब्धि है। सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव एवं डा. सुजिंदर फोगाट ने जुबिलेंट द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों के विषय में बिंदुवार जानकारी दी। यूनिट हेड विनोद झा एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने प्रश्न प्रहर में बताया कि कंपनी प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बेहद गंभीर है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जुबिलेंट के इन कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इसके उपरांत कंपनी की अग्निशमन टीम द्वारा मॉक ड्रिल किया गया। संचालन शिक्षक डा.पृथ्वी सिंह ने किया। कार्यक्रम में पुनीत तिवारी, सुनील सिंह, पराग गोयल, अनुपम सिंह, वीरेंद्र सिंह नेगी, ऋषि पाल सिंह परमार के साथ ही महिला अग्रवाल सभा की अध्यक्ष विनीता गर्ग, ऋषि बाला अग्रवाल, मंडी धनौरा से आईं भाजपा नेत्री कुसुम अग्रवाल, रजनी रानी, मीरा आर्य, सेवानिवृत्त वयोवृद्ध शिक्षक कृपाल सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक श्योनाथ सिंह, हाजी अब्दुल सलाम, पूजा रवि, ऋषिपाल सिंह, खड़ग सिंह, ओमकार सिंह, हरस्वरूप सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, डा.समरपाल सिंह, भारत भूषण अग्रवाल, देवेंद्र पाल शर्मा, तेजवीर सिंह अलूना, जयपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह, बूंदी सिंह, नवनीत ग्रेवाल, आशु, जॉनी आदि भी मौजूद रहे।



गजरौला में जुबिलेंट में आयोजित सामुदायिक सहभागिता बैठक का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा।

धनौरा में लेखपाल संघ जिलाध्यक्ष चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज,30 सितंबर को होना है मतदान



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर क्षेत्र में सरगर्मियां तेज हो गई है जिसको लेकर प्रत्याशियों ने भी अपना एक-एक वोट बढ़ाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। बताया जा रहा है कि इस बार लेखपाल संघ चुनाव में दो प्रत्याशी अनुज सैनी एवं सचिन सिद्धू आमने-सामने रहेंगे और यह चुनाव आने वाले 30 सितंबर को होगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। मतदान और मतगणना 30 सितंबर को अमरोहा में होगी। खास बात यह है कि नामांकन और चुनाव की प्रक्रियाएं एक ही दिन पूरी की जाएंगी। इस बार चुनाव काफी दिलचस्प होने की संभावना है।जिले की चारों तहसीलों के कुल 249 लेखपाल अपने नए जिलाध्यक्ष का चुनाव करेंगे। मतदान के आंकड़ों के मुताबिक, हसनपुर तहसील से सबसे ज्यादा 92 लेखपाल वोट डालेंगे। मंडी धनौरा तहसील से 67, अमरोहा सदर तहसील से 56 और नौगावां सादात तहसील से 34 लेखपाल अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे।पिछले चुनाव में अमरोहा के सचिन यादव ने नौगावां सादात के पितांबर सिंह को सिर्फ 2 वोटों से हराकर जिलाध्यक्ष का पद जीता था। इस बार धनौरा तहसील के लेखपाल अनुज सैनी और सचिन सिद्धू एक-दूसरे के सामने हैं।बुधवार को मंडी धनौरा चुनावी दौड़ में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रत्याशी अनुज सैनी ने जोर-शोर से जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, लेखपालों के सम्मान और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए पूरी लगन से काम करेंगे।जनसंपर्क के दौरान अमरोहा तहसील अध्यक्ष दुष्यंत देवल, हसनपुर तहसील अध्यक्ष दीपक चौधरी, प्रेमपाल सिंह, सतीश सिंह, मुस्तकीम अली, भागेंदर सागर, संजय चाहल, विवेक पवार, साजिद अली, अंकुर सेठी, अंकुल चौधरी और चंद्रप्रकाश उनके साथ थे।
इसके अलावा, नौगावां से पितांबर, विकास गिल, निशांत चौहान, मोहित चौधरी, रमेश सैनी, उपेंद्र सिंह, कौशिदर और तारेश राणा समेत कई लेखपालों ने अनुज सैनी का समर्थन किया।30 सितंबर को होने वाले इस चुनाव पर पूरे जिले के लेखपालों की नजर है।

ट्रैक्टर की टक्कर से हुई बाइक सवार महिला की मौत के मामले में पति ने दर्ज कराया मुकदमा



नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांव सादात क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से हुई बाइक सवार महिला की मौत के मामले में मृतक महिला के पति ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में थाना पुलिस ने पति की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिए है और मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। बता दें कि यह पूरी घटना 20 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे अमरोहा के पंजूसराय के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक हुई। मूढाखेड़ा खादर निवासी मुरसलीन अपनी पत्नी नरगिस और भाई अबुजर के साथ मुरादाबाद जा रहे थे।इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक नीचे गिर गई और मुरसलीन की पत्नी नरगिस ट्रैक्टर के नीचे आ गईं।जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद अज्ञात ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया
और मौके पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।इस मामले में मृतक महिला के पति मुरसलीन ने नौगावां सादात थाने में शिकायत दर्ज कराई है और ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना नौगांवा सादात पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में लग गई।

15 हजार की रिश्वत लेते विद्युत विभाग के लेखाकार व आउटसोर्स कर्मचारी गिरफ्तार

43,870 रुपये के बिजली बिल पर कनेक्शन काटने से रोकने के एवज में मांगी थी रिश्वत, मुरादाबाद एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुरादाबाद मंडल की एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को विद्युत वितरण खंड चांदपुर के कार्यालय में कार्रवाई करते हुए कथित रूप से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में विद्युत विभाग के लेखाकार अवधेश कुमार (39) तथा आउटसोर्स कर्मचारी मोनू कुमार (29) शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चांदपुर निवासी शिवम पुत्र स्व. विनोद कुमार ने शिकायत की थी कि उसके करीब 43,870 रुपये के बिजली बिल की अस्थायी पेशी/कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई रोकने के एवज में उससे 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद की टीम ने मामले की जांच के बाद ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। बताया गया कि बुधवार को करीब 3:05 बजे एंटी करप्शन टीम ने विद्युत वितरण खंड चांदपुर के कार्यालय के कमरा नंबर चार में कार्रवाई की। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, लेखाकार की सीट के पास आरोपियों द्वारा रिश्वत की रकम लिए जाने के दौरान टीम ने दोनों को पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी।
प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर में की जा रही है।

भगवत प्रसाद मखाना ही वाल्मीकि समाज के एकमात्र नेता



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- क्रांति धरा मेरठ में हुए वाल्मीकि स्वाभिमान सम्मेलन भारतवर्ष के इतिहास के पन्नों में अपार सफलता की एक नई गाथा लिख गया, बल्कि वाल्मीकि समाज के स्वाभिमान और सम्मान की चर्चा सड़क से लेकर देश की राजनीतिक गलिहारो तक खुब हो रही है, ओर इस चर्चा से वाल्मीकि समाज में अपने अधिकारों और देश की सत्ता में बराबरी का दर्जा मिले इसके लिए वाल्मीकि समाज में क्रांति की वो चिंगारी लगा गया जिसकी कल्पना भी नहीं की थी। और इसका श्रेय राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय चेयरमैन भगवत प्रसाद मखाना को ही जता है जो सामाजिकता की मिट्टी से जुड़े हए हैं। वाल्मीकि समाज के जुझारू और कर्मठसील भगवत प्रसाद मकवान जो पिछले 25 30 वर्षों से वाल्मीकि समाज की राजनीति मैं सक्रिय होकर समाज को न्याय और राजनीतिक शैक्षिक के क्षेत्र में बराबरी की भागीदारी और सम्मान से जीने का अधिकार मिले इसके लिए समाज के लोगों को साथ जोड़कर समय-समय पर धरने प्रदर्शन छोटे बड़े सम्मेलन कर आगे बढ़ते रहे। हालांकि मकवाना जी उत्तराखंड सरकार में कई उच्च पदों पर रहे हैं भारत सरकार मे मकवाना जी स्वच्छ कारों से संबंधित मॉनिटर कमेटी में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी है। लेकिन हाल हि में राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय भगवत प्रसाद मकवाना को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का चेयरमैन नियुक्तकिए जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान काल मे समूचे भारत में भगवत प्रसाद मकवान से बड़ा चेहरा वाल्मीकि समाज में नहीं है। यह सही है कि नेता समाज ही बनता है और अब भारतीय वाल्मीकि समाज ने भगवत प्रसाद मकवा को वास्तव में ही नेता मान कर उनका चेहरा देश की राजनीति में पेश किया है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण 20 सितंबर को मेरठ के चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के नेता सुभाष चंद्र बोस हाल में हुए वल्मीकि स्वाभिमान सम्मेलन में पहुंची अपार भीड़ है। इस सम्मेलन में 15 से 20 हजार की भीड़ ने देश की राजनीति को वाल्मीकि समाज की एकता और शक्ति का एहसास नहीं कराया बल्कि यह एहसास करा दिया है कि वाल्मीकि समाज अब जाग गया.है। कल्की धाम संभाल के प्रमुख महाराज एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्ण महाराज जो कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे हैं ने भगवान महर्षि वाल्मीकि जीवन पर रोशनी से डालते हुए कहा कि यदि वाल्मीकि लिखी रामायण नहीं होती तो, मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम नहीं होते, क्योंकि राम के जन्म से पहले भगवान राम जीवनी लखी जिसको संसार मान रहा है और रामायण के आदर्शों पर चल रहा है रामायण ही सनातन समाज की रक्षक है। उन्होंने यह भी कहा कि सन सात में औरंगजेब जब इस्लाम फैला रहा था उसे दौर में भी वाल्मीकि समाज में अपना धर्म नहीं बदला बल्कि अपने धर्म की रक्षा की थी। इसलिए ज्ञापनम जो भी मांगे है वाल्मीकि समाज के तप और बलिदान के सामने वह सब बौनी है इसलिए केंद्र और प्रदेश सरकारे वाल्मीकि समाज की सेवा तप और बलिदान को सामने रखकर उनकी सभी मांगों के अतिरिक्त और बहुत कुछ देना चहिए। उन्होंने यह भी आसपास दिया कि वह स्वयं जाकर मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वाल्मीकि समाज में बहुत से लीडर उनसे वह मिले पर भगवत प्रसाद मकवाना जैसा लीडर वाल्मीकि समाज में नहीं देखा उन्होंने बताया कि मकवाना जी जमीन से जुड़े हुए वाल्मीकि नेता हैं जिन्हें वाल्मीकि समस्याओं के अलावा कुछ और दिखाई नहीं देता वह चाहते हैं कि उनका समाज तरक्की की राह पर चले। वाल्मीकि स्वाभिमान सम्मेलन मैं अपार भीड़ को देखकर खुशी का इजहार किया और कहां के अब वाल्मीकि समाज में भगवत प्रसादमकवा के रूप में अपना चुना है जिसकी गवाही हजारों हजारों वाल्मीकि समाज के लोग बने है। उन्होंने यह भी कहा है कि भगवत प्रसाद मकवाना राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी तक यूं ही नहीं पहुंचे वह अपने संघर्ष भरे जीवन की बदौलत इस मुकाम तक पहुंचे हैं जो हर वाल्मीकि के लिए आसान नहीं है। भगवत प्रसाद मकवाना ने भावभूक्त होकर कहां की आज मैं जो कुछ भी हूं वह सब वाल्मीकि समाज कि ही देन है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि सभिमान सम्मेलन में पहुच कर उनका मान सम्मान और स्वाभिमान स्थापित नहीं किया बल्कि समाज के छोटे से छोटे समाज के व्यक्ति स्वाभिमान और सम्मान बड़ा है। और समाज का यह कर्ज वे जीते जी नहीं चुका पाएंगे यह सुनकर समाज के बहुत-से लोगों की आंखें भर आई और समाज के दिलों की धड़कन भगवत प्रसाद मकवाना जी का फूलमलाऐ वे शाल उड़ाकर फूलों के गलदस्ते और कीमती कीमती उपहार भेंट कर उनका भाव भिभौर होकर स्वागत और सम्मान किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सीएम क्रेडिट कैंप का सफल आयोजन



बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निदेर्शानुसार सम्भल के बहजोई स्थित कलेक्ट्रेट मीटिंग हॉल में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत सीएम क्रेडिट कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वरोजगार अपनाने के इच्छुक युवाओं के आवेदन पत्रों में आ रही तकनीकी कमियों और कागजी कमियों को तुरंत दूर करना था ताकि बैंकों तथा विभागीय अधिकारियों के आपसी समन्वय से एक ही छत के नीचे ऋण स्वीकृति और वितरण की कार्रवाई तेजी से पूरी की जा सके।शिविर में उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार जिला अग्रणी प्रबंधक ललित राय सीएमओ युवा फैलो नवीन सिंह व तारिक हुसैन समेत विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक और संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान कुल 42 आवेदक पहुंचे जिनकी समस्याओं को अधिकारियों ने प्राथमिकता के आधार पर सुना और मौके पर ही निस्तारण करते हुए ऋण प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इस पहल से युवाओं को बैंकों और सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर लगाने की परेशानी से राहत मिली।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने युवाओं को नए उद्योग स्थापित करने और स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त उद्योग और जिला अग्रणी प्रबंधक ने उपस्थित आवेदकों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन और बैंकिंग संस्थाएं उनके व्यापार और उद्यम को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन और पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

सोहना के 21 वार्डों में अंधेरे में डूबी सड़कें, तीन माह से 55 फीसदी स्ट्रीट लाइटें खराब

एजेंसी

सोहना। सोहना नगर परिषद सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 21 वार्डों में स्ट्रीट लाइटों की बदहाल व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थिति यह है कि नगर परिषद क्षेत्र की करीब 55 फीसदी स्ट्रीट लाइटें पिछले करीब तीन महीने से बंद पड़ी हैं। हालांकि, परिषद ने इस बार शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को पूरे साल रोशन रखने के लिए दो अलग-अलग एजेंसियों को स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की जिम्मेदारी सौंपी थी और इन एजेंसियों ने करीब 15 दिन पहले सुधार कार्य शुरू भी कर दिया था, लेकिन काम की गति इतनी धीमी है कि सड़कों से अंधेरा छंटने का नाम नहीं ले रहा



है। ग्रामीण सड़कों की स्थिति सबसे खराब स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों की है, जो रात के समय अंधकार में डूबी रहती हैं। स्थिति यह है कि कई ग्रामीण सड़कों पर सुबह भोर होने से पहले ही लोग, विशेषकर महिलाएं और वृद्धजन, टहलने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। रास्ते पूरी तरह अंधेरे में डूबे होने के कारण महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करने लगी हैं, जबकि बुजुर्गों को ठोकर लगने और गिरने का चौबीसों घंटे डर सताता रहता है। शहर के प्रमुख मार्गों जैसे बालूदा मार्ग, लोहटकी मार्ग, सांप की नंगली जाने वाला मार्ग, तावडू घाटी और बस स्टैंड मार्ग पर लाइटें खराब होने के कारण रात के समय आवाजाही करना जोखिम भरा साबित हो रहा है। बाजारों में चोरी का डर और दुकानदारों की चिंताएं बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में भी स्ट्रीट लाइटें खराब होने के कारण दिन ढलते ही सन्नाटा और अंधेरा छा जाता है। रात के समय दुकानदारों को अपनी दुकानों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता सताती रहती है, क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं अंधेरे का फायदा उठाकर चोर किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे दें। इसके अलावा, दूर-दराज के इलाकों से रात के समय सोहना की इन अंधेरी सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों के मन में भी हमेशा किसी अनहोनी या सड़क हादसे का डर बना रहता है। नगर परिषद की प्रतिक्रिया इस संबंध में नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता महेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के कार्य में दोनों एजेंसियां जुटी हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल दोनों एजेंसियों को शहर के मुख्य रास्तों और महत्वपूर्ण मार्गों की स्ट्रीट लाइटों को सबसे पहले जगमग करने की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि मुख्य मार्गों पर आवागमन सुगम हो सके।

संक्षिप्त डायरी

पीजी में चोरों ने कमरे से उड़ाये तीन लैपटॉप

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-144 स्थित एक पीजी हाउस में सो रहे युवकों के कमरे से अज्ञात चोर तीन लैपटॉप और एक मोबाइल फोन चुराकर ले गए। घटना करीब एक महीने पुरानी बताई जा रही है। पीड़ित ने सोमवार थाना सेक्टर-142 में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उत्तराखंड निवासी प्रिंस राणा ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी अनिकेत के साथ सेक्टर-144 नोएडा स्थित कम्फर्ट पीजी हाउस में तीसरी मंजिल पर रहते हैं। 16 अगस्त की सुबह वह अपने कमरे में सो रहे थे। तभी कोई अज्ञात व्यक्ति कमरे से तीन लैपटॉप व एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बैटरी चोरी की एक माह बाद प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर स्थित रिलायंस जिओ के टावर से दो बैटरी चोरी कर ली गई। घटना की प्राथमिकी एक माह बाद टेक्नीशियन ने कोतवाली में दर्ज कराई है । पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में लगी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव स्थित सुशील के मकान पर रिलायंस जिओ का टावर लगा है। 20 अगस्त को अज्ञात चोरों द्वारा साइड से दो बैटरी चोरी कर ली गई थी। घटना की सूचना टेक्नीशियन अवध पाल सिंह ने पुलिस को दी थी। घटना की प्राथमिकी एक माह बाद कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ दर्ज की गई है।

गुरुग्राम में LPG गैस की हो रही जमकर कालाबाजारी

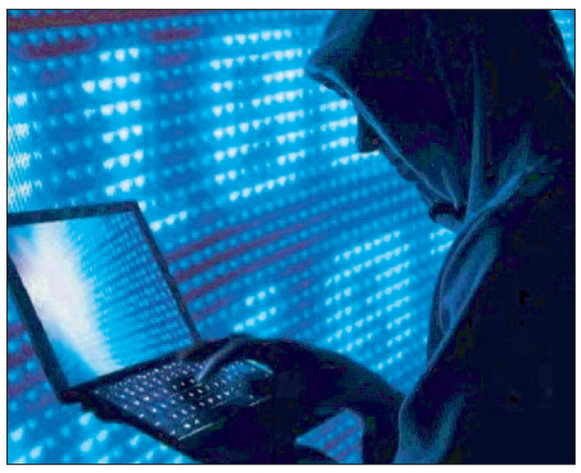
एजेंसी

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने खेड़कीदौला थाना क्षेत्र के नवादा गांव में घरेलू गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पिकअप गाड़ी में इंडेन और भारत गैस के 104 भरे सिलिंडर बरामद कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि पिकअप चालक अभी फरार है।प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि इन सिलिंडरों को राजस्थान के अलग-अलग जगहों से लेकर खेड़कीदौला क्षेत्र में ब्लैक में बेचा जा रहा था। पिकअप में घरेलू एलपीजी के काफी सिलिंडर भरे हुए मिले पुलिस के अनुसार सोमवार रात क्राइम टीम नवादा गांव में गश्त पर थी। मुखबिर से सूचना मिली कि एक पिकअप में घरेलू एलपीजी के काफी सिलिंडर भरे हुए लदे हैं, जो ब्लैक में बेचने के लिए लाए गए हैं। जांच में पता चला कि गाड़ी का चालक राजस्थान का हजारी लाल और मालिक नवादा निवासी जितेंद्र उर्फ कालू है। सूचना पर पुलिस जितेंद्र के घर के पास पहुंची तो पिकअप खड़ी मिली। इसमें चाबी लगी थी। पुलिस को देखकर दोनों व्यक्ति भाग गए। पिकअप की तलाशी लेने पर उसमें 104 सिलिंडर मिले। टीम ने कार्रवाई करते पिकअप मालिक जितेंद्र को बाद में पकड़ लिया। कोई कागजात, गैस कॉपी या लाइसेंस पेश नहीं कर पाया पूछताछ में आरोपित जितेंद्र ने बताया कि पिकअप और 104 सिलिंडर उसी के हैं। चालक हजारी लाल उसका ड्राइवर है। आरोपित सिलिंडरों के कोई कागजात, गैस कॉपी या लाइसेंस पेश नहीं कर पाया। उसने बताया कि वह राजस्थान से अलग-अलग जगहों से सस्ते दामों पर सिलिंडर खरीदकर नवादा व आसपास के किरायेदारों को महंगे दामों पर बेचता है। जांच के दौरान पिकअप में इंडेन कंपनी के 20 और भारत कंपनी के 84 घरेलू 14 किलोग्राम वाले भरे सिलिंडर मिले। एएफएसओ के निर्देश पर ई-साक्ष्य एप पर वीडियो बनाकर गाड़ी व सिलिंडरों को कब्जे में लिया गया।खेड़कीदौला थाने में मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

ठगों ने तीन लोगों से 26 लाख से अधिक हड़पे

एजेंसी

नोएडा, । साइबर अपराधियों ने ट्रेडिंग, डिमैट अकाउंट और ऑनलाइन टास्क के नाम पर तीन लोगों से 26 लाख से अधिक रुपये ठग लिए। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रदीप चौहान का मामला ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-3 निवासी प्रदीप चौहान ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शादी के लिए एक मेट्रिमोनियल साइट पर रजिस्ट्रेशन किया था। इसी दौरान उनकी बातचीत एक महिला से हुई। आरोप है कि महिला ने उन्हें डिमैट अकाउंट खुलवाने और ट्रेडिंग करने के लिए कहा। उसके झांसे में आकर प्रदीप ने 24 सितंबर से 24 अक्तूबर 2025 के बीच महिला के बताए गए खातों में 7.80 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम वापस मांगने पर वह टालमटोल करने लगी। प्रदीप ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत की। अब पुलिस



ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। मनीष कुमार जैन का अनुभव सेक्टर-63 निवासी मनीष कुमार जैन ने बताया कि उनके पास नेहा यादव के नाम से कॉल आई। उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट खोलने के लिए कहा। नेहा के झांसे में आकर मनीष ने 30 मई 2025 को तीन लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद अलग-अलग खातों में पांच लाख और 1.50 लाख रुपये जमा किए। कुल 9.50 लाख रुपये लगाने के बाद उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की तो आरोपियों ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। इस मामले में भी साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज हुआ है।

सृष्टि त्यागी का मामला अनजान लोगों ने टेलीग्राम के जरिये ग्रेनो वेस्ट की गौड़ सिटी-2 निवासी सृष्टि त्यागी से संपर्क किया। आरोपियों ने उन्हें वीडियो लाइक करने, रिव्यू देने और चैनल सब्सक्राइब करने के बदले कमाई का झांसा दिया। शुरूआत में छोटे भुगतान कर उनका भरोसा जीता। इसके बाद अलग-अलग खातों में रकम जमा कराने के लिए कहा। महिला ने कुल 9.63 लाख रुपये जमा कर दिए। रुपये वापस मांगने पर उन्हें ब्लॉक कर दिया गया। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि ठगी की घटनाएं पुरानी हैं। तीनों मामलों में केस दर्ज कर लिया गया है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। किराये के खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर होने की आशंका है।

परिवहन विभाग का सर्वर डाउन, लोग परेशान

एजेंसी

नोएडा। परिवहन विभाग की ऑनलाइन सेवाओं का सर्वर डाउन होने से मंगलवार को कार्यालय में काम कराने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन संबंधी दस्तावेज और अन्य काम कराने पहुंचे आवेदकों की लंबी कतार लग गई। सेक्टर-32ए स्थित परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, विभाग की अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन प्रक्रिया से जुड़ी हैं। सर्वर में तकनीकी समस्या आने के कारण आवेदन और दस्तावेजों से संबंधित प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इससे दूरदराज से पहुंचे लोगों को भी इंतजार करना पड़ा। कुछ आवेदकों ने बताया कि काम नहीं होने की स्थिति में उन्हें दोबारा कार्यालय आना पड़ सकता है। दोपहर तक विभागीय परिसर में भीड़ रही। काउंटर पर कर्मचारियों की ओर से सर्वर बहाल होने का इंतजार करने की बात कही गई। इससे लोगों को यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उनका काम कब तक पूरा होगा। आवेदकों का कहना है कि ऑनलाइन व्यवस्था होने के बावजूद तकनीकी खराबी की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से परेशानी बढ़ जाती है।

जिला पुस्तकालय में दो दिवसीय पुस्तक मेला

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-12 स्थित जिला पुस्तकालय में 24 सितंबर से दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में स्कूलों के छात्र भी भाग लेंगे। पुस्तक मेले का शुभारंभ विशेष कार्याधिकारी पुस्तकालय शान्त्वना तिवारी करेंगी। मेले में साहित्य, प्रतियोगी परीक्षाओं, बाल साहित्य और ज्ञानवर्धक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्कूली छात्रों के लिए विशेष गतिविधियां भी आयोजित होंगी। इनमें पुस्तकालय की सुविधाओं, पुस्तकों के महत्व और अध्ययन के नए तरीकों की जानकारी दी जाएगी। जिला पुस्तकालय के प्रभारी रघुराज भाटी ने बताया कि मेले की तैयारियां चल रही हैं। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पुस्तकों और पुस्तकालय से जोड़ना है।

आर.बी इंटर कॉलेज में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के आर.बी इंटर कॉलेज, जगुआ खुदे में ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपनी रचनात्मकता, कल्पना शक्ति और कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर, विकसित एवं समृद्ध भारत की सुंदर कल्पना को चित्रों और भाषणों के जरिए प्रस्तुत किया। कक्षा 6 से 8 समूह में कक्षा 7 की वनिका खान, प्रतिज्ञा भारती तथा कक्षा 9 की अक्ष, काव्या, भूमिका, सुमैरा व श्रद्धा ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 9 की लक्षिता तथा कक्षा 10 के अर्नव गुप्ता ने अपनी प्रभावी प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों



के चित्रों में विकसित भारत की दृष्टि को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। विद्यालय के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता एवं प्रधानाचार्या डॉ. चारु वार्ष्णेय ने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, कलात्मक प्रतिभा तथा राष्ट्र के प्रति उनके सपनों व दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करने का उत्कृष्ट माध्यम बनी।

भाजपा राजनपुर मंडल अध्यक्ष राजीव चौधरी, विनीत गुप्ता, भोला सिंह तथा जोगिंदर सिंह ने विद्यालय पहुंचकर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और शील्ड भेंट की। अध्यापिका मीनू चौधरी एवं अंशू हमाल ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रेनो वेस्ट में गौड़ चौक पर सड़क चार लेन की होगी

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में गौड़ चौक के पास ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहे, इसके लिए निमार्णाधीन अंडरपास के पास सड़क चार लेन की होगी। इससे पर्थला से तिगरी की तरफ और गौड़ सिटी से 130 मीटर चौड़ी सड़क पर पहुंचना और आसान हो जाएगा। यह काम दीवाली से पहला पूरा किया जाएगा। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक नोएडा पर्थला से तिगरी यानी गाजियाबाद की तरफ जाने के दौरान गौड़ चौक पर निमार्णाधीन अंडरपास के समीप वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। सुबह और शाम व्यस्त वाहन रेंगते हैं। इसी तरह तिगरी और गौड़ सिटी की तरफ से 130 मीटर चौड़ी सड़क पर आने वाले वाहनों की रफ्तार भी अंडरपास के पास धीमी हो जाती है। बीते दिनों ग्रेटर नोएडा



के सीईओ रवि कुमार एनजी ने गौड़ चौक इलाके का निरीक्षण किया था। चौक के आसपास ट्रैफिक सुचारू से चलता रहे, इसके लिए सीईओ ने अंडरपास के पास सड़क को चौड़ी करने के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। अधिकारी के मुताबिक इन दोनों स्थानों पर सड़क चौड़ी की जाएगी। मौजूदा तीन लेन की सड़क को बढ़ाकर चार लेन का किया जाएगा।सड़क चौड़ीकरण का महत्व वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि पर्थला से तिगरी की तरफ जाने वाली सड़क को चौड़ी करने का काम जल्द किया जाएगा। वहीं, गौड़ सिटी की तरफ नाले के ऊपर सड़क बनानी है, इसमें थोड़ा समय लग जाएगा। सड़क के चार लेन होने से वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी।

चार दिन से पानी की समस्या, मोटर खराब होने से बढ़ी परेशानी

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर डेल्टा-2 में पिछले चार दिन से पानी की सप्लाई प्रभावित है। पानी की मोटर खराब होने के कारण घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। लगातार पानी की समस्या से स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही है। निवासियों का कहना है कि सुबह और शाम पानी की जरूरत अधिक होती है, लेकिन सप्लाई नहीं होने से दिक्कत बढ़ गई है। लोगों ने मोटर जल्द ठीक कराकर पानी की आपूर्ति सामान्य कराने की मांग की है। निवासियों की बात- चार दिन से पानी की समस्या है। घर के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। मोटर जल्द ठीक होने की उम्मीद है। -बॉबी भाटी पानी नहीं आने से सबसे ज्यादा परेशानी सुबह के समय होती है। जरूरी काम करने में दिक्कत आ रही है। -मुकेश सोलंकी मोटर खराब होने की वजह से पानी नहीं आ रहा है। इसे जल्द ठीक कराया जाना चाहिए। -बृजमोहन शर्मा चार दिन से पानी की परेशानी बनी हुई है। सप्लाई ठीक होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी।

टक्कर से सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

एजेंसी

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर सोमवार की सुबह सड़क हादसे में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। किसी अज्ञात वाहन ने इंजीनियर की बाइक में टक्कर मारी थी। पुलिस वाहन का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर बीटा-1 में 35 वर्षीय परविंदर चौधरी किराये के मकान में रहते थे। वह नोएडा सेक्टर-135 स्थित कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। परविंदर सुबह करीब 9:30 बजे कंपनी से नाइट ड्यूटी कर बाइक पर सवार होकर घर जा रहे थे। सेक्टर-144 मेट्रो स्टेशन के समीप सर्विस रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने तेज गति से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में परविंदर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचना दी। हादसे की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन का पता लगाकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शैलेंद्र भाटिया का यूपीडा में तबादला

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन ने यमुना विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) शैलेंद्र भाटिया का तबादला कर दिया। उन्हें उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। शैलेंद्र भाटिया लंबे समय से नोएडा एयरपोर्ट के नोडल अफसर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनकी जगह रामपुर जिले के एडीएम प्रशासन नितिन मदन को नया एसीईओ नियुक्त किया गया है।

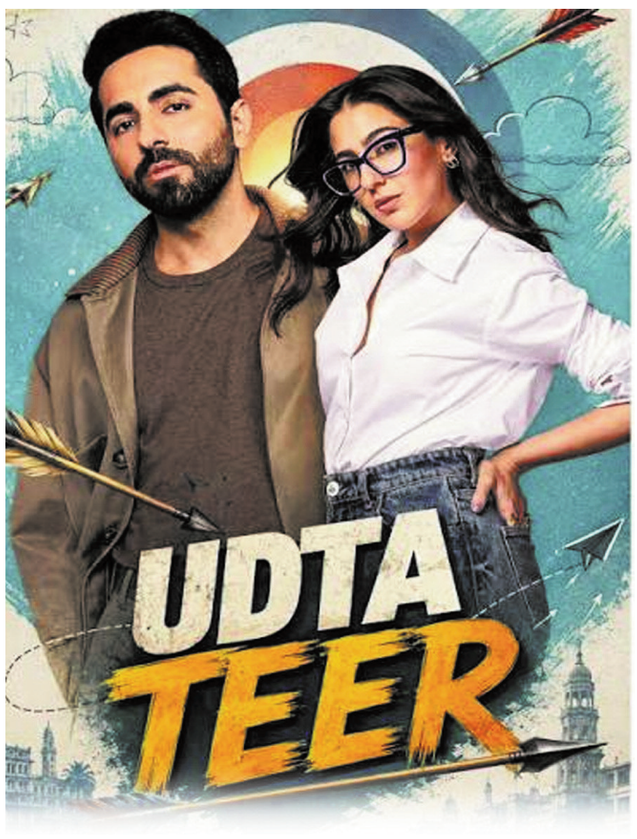
अब मकान तोड़ने से पहले मलबा कितना होगा निगम को देनी होगी जानकारी

एजेंसी

गुरुग्राम । मिलेनियम सिटी में अब घर तोड़कर अगर दोबारा निर्माण कर रहे हैं तो आपको इसकी जानकारी पहले निगम को देनी होगी। निगम के पोर्टल पर आपको बताना होगा कि आपके पुराने मकान के तोड़ने से कितना मलबा निकलेगा। उस मलबे को निगम की निर्धारित जगहों पर पहुंचाकर वहां से रसीद लेनी होगी। उसके बाद ही शहर के निवासी अपने नए मकान का निर्माण कर पाएंगे। ऐसा नहीं किया गया तो सीक्यूएम के निदेर्शों के अनुसार पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए निगम द्वारा जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। निर्माण कार्यों में रीसाइकल्ड सामग्री का उपयोग हुआ अनिवार्य निगम आयुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी इन आदेशों के तहत रिमॉडलिंग, रेनोवेशन, निर्माण और विध्वंस गतिविधियों से निकलने वाले कचरे के संग्रहण, परिवहन, निस्तारण



और इसके पुनर्चक्रण को लेकर विभिन्न प्रावधान स्पष्ट किए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे निगम क्षेत्र में लागू कर दिए गए हैं, जिसके तहत अब बड़े प्रोजेक्ट्स को नियमों के अनुसार ही मलबा निस्तारण करना होगा। नए दिशा-निदेर्शों के अनुसार, 200 वर्गमीटर या उससे अधिक प्लॉट एरिया वाले ऐसे प्रोजेक्ट, जिनमें निर्माण या पुनर्निर्माण से पहले विध्वंस किया जाना है, उन्हें बिल्डिंग प्लान की मंजूरी के समय ही अनुमानित मलबे की मात्रा की घोषणा करनी होगी। काम शुरू करने से पहले इस मलबे को निगम की अधिकृत प्रोसेसिंग फैसिलिटी या कलेक्शन पॉइंट पर जमा कराकर रसीद लेनी होगी, जिसके सत्यापन के बाद ही कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी होगा। वहीं, 20 हजार वर्गमीटर या उससे अधिक बिल्ट-अप एरिया वाले बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट प्लान तैयार कर निगम पोर्टल पर स्वीकृत कराना अनिवार्य किया गया है। इन बड़े प्रोजेक्ट्स को अपने वाहनों के माध्यम से कचरा रीसाइक्लिंग फैसिलिटी तक पहुंचाना होगा। समय-सीमा तय और नियमों के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई आदेश में निस्तारित किए गए मलबे से तैयार उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत वित्त वर्ष 2026-27 में पांच प्रतिशत, 2027-28 में दस प्रतिशत, 2028-29 में 15 प्रतिशत, 2029-30 में 20 प्रतिशत और 2030-31 से आगे 25 प्रतिशत रीसाइकल्ड एग्रीगेट या मैन्युफैक्चर्ड सैंड का उपयोग करना होगा। इसके अलावा सड़क निर्माण कार्यों के लिए भी चरणबद्ध तरीके से 5 से 15 प्रतिशत तक रीसाइकल्ड सामग्री का उपयोग अनिवार्य किया गया है। सरकारी विभागों को भी अपने टेंडरों में इसका पालन करने और कचरे का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण स्थलों और सड़कों से मलबा हटाने के लिए सख्त समय-सीमा तय निर्माण स्थलों और सड़कों से मलबा हटाने के लिए सख्त समय-सीमा तय की गई है। सड़क मरम्मत या रेस्टोरेशन के 48 से 72 घंटे के भीतर और सीवर-पानी की लाइनों के कार्य पूरे होने के 72 घंटे के भीतर अतिरिक्त सामग्री व सीएंडडी वेस्ट हटाना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक स्थानों पर जमा कचरे को 24 घंटे के भीतर उठाना होगा। नियमों की निगरानी के लिए एक विशेष सीएंडडी मॉनिटरिंग सेल का गठन किया गया है। निदेर्शों का पालन नहीं करने पर पर्यावरण नियमों और सीएक्यूएम एक्ट के तहत भारी पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति व सख्त कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी।



फिल्म 'उड़ता तीर' में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काल्पनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियां वास्तविक घटनाओं या सैन्य अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में मौजूद ट्विस्ट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कंफर्म नहीं है।

लाउड नहीं, सिचुएशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सीधी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है।

'धुरंधर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी

इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा और कॉमेडी को भी बराबर जगह दी गई है। इसलिए इसे 'धुरंधर' जैसे युद्ध बेस्ड प्रोजेक्ट के साथ रखना सही नहीं है।

मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक हुई इस फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में हुई है। दिल्ली-एनसीआर में भी इसके कई हिस्से शूट किए गए। खास तौर पर गुरुग्राम के एक कॉलेज की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा वहां आर्मी बेस जैसा सेटअप भी तैयार किया गया था। फिल्म की दुनिया में सामान्य शहरी लोकेशन के साथ डिफेंस से जुड़े हिस्सों को भी जगह दी गई है।

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा



सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।





रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू

साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया। यह कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और प्रतियोगिता पर आधारित कहानी थी। फिल्म को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन तारा के लिए यह बड़े पर्दे पर शुरुआत का अवसर था। तारा ने अपनी डेब्यू फिल्म के प्रदर्शन पर कहा था कि फिल्म को लेकर लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन उनके अनुसार फिल्म ने कमाई की थी और वह इसे असफल नहीं मानती थीं। तारा ने बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' की शूटिंग के दौरान उन्हें दूसरी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। इनमें 'कबीर सिंह' और 'मरजावां' जैसी फिल्में शामिल थीं।

फिल्मों से रिप्लेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जूम टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिप्लेस किए जाने के अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रैक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समय के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।



क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर

फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए ब्रूक्रक के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

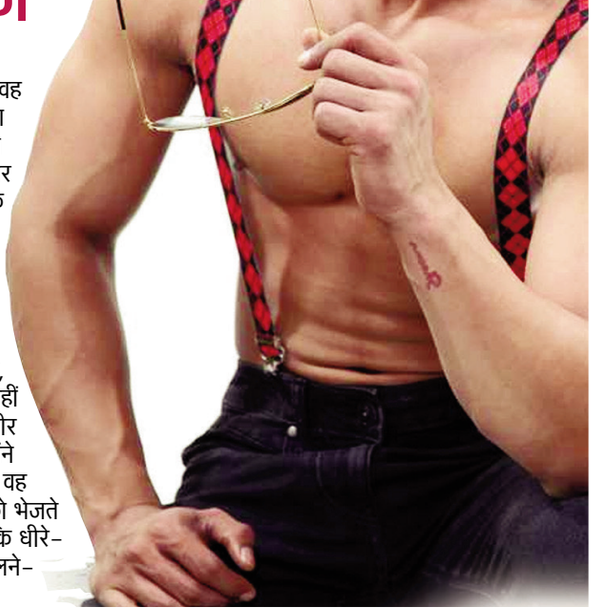
'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू



तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।

द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की



अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज़ 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज़ में वह स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखंब और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखता है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिव और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रैड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।